



तिथि : प्रतिपदा  
नक्षत्र : उत्तरभाद्रपदा  
प्रथम करण : बालवा  
द्वितीय करण : कौवाला  
पक्ष : कृष्ण  
वार:रविवार  
योग:वृद्धि  
सूर्योदय : 06:12  
सूर्यास्त : 18:04  
चंद्रमा : मीन राशि में  
राहुकाल : 16:35 - 18:04  
विक्रमी संवत् : 2083  
शक संवत् : 1948  
मास : आश्विन  
शुभ मुहूर्त अभिजीत: 11:44 - 12:32

## हिमाचल के कई इलाकों में बर्फबारी

**शिमला:** किन्नौर के समूचे इलाके में शनिवार सुबह से ही मौसम ने मिजाज बदल लिया है। जिले की ऊंची चोटियों पर ताजा हिमपात और निचले क्षेत्रों में हो रही रिमझिम बारिश के कारण तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। अचानक बढ़ी ठंड के कारण आम जनजीवन प्रभावित हुआ है, वहीं जिले में जोरों पर चल रहे सेब सीजन पर भी अस्थायी रूप से ब्रेक लग गया है। जिले के दूरदराज एवं भारत-चीन सीमा से सटे कुनोचारांग और छितकुल जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में सुबह से ही लगातार बर्फबारी हो रही है। कुनोचारांग निवासी बलदेव सिंह नेगी ने बताया कि अचानक हुई बर्फबारी के कारण इलाके में कड़के की ठंड बढ़ गई है और स्थानीय लोगों का सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। हालांकि, राहत की बात यह है कि अभी तक जिले में बर्फबारी व बारिश से किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

## दो दिन के लिए चार धाम यात्रा स्थगित

**देहरादून:** उत्तराखंड में खराब मौसम को देखते हुए चार धाम यात्रा अगले दो दिन के लिए स्थगित कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक, मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी रेड अलर्ट और खराब मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए चारधाम यात्रा को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है।

यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर चारधाम यात्रा 26 सितंबर की दोपहर से 27 सितंबर 2026 तक स्थगित रहेगी। चारधाम यात्रा प्रबंधन एवं नियंत्रण संगठन, चारधाम यात्रा ट्रांजिट कैंप ऋषिकेश की ओर से इस संबंध में गढ़वाल मंडल के सभी जिलाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

## खारून नदी का जलस्तर बढ़ा, महादेव घाट के विसर्जन कुंड में मूर्ति विसर्जन बंद



रायपुर ■ दैनिक

राजधानी रायपुर में लगातार बढ़ रहे खारून नदी के जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने नागरिकों की सुरक्षा के मद्देनजर महादेव घाट के समीप स्थित नगर निगम के विसर्जन कुंड में मूर्ति विसर्जन की प्रक्रिया फिलहाल बंद कर दी है। प्रशासन के मुताबिक खारून नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में महादेवघाट स्थित विसर्जन कुंड में मूर्ति विसर्जन के दौरान किसी तरह की अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए

यह निर्णय लिया गया है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि फिलहाल महादेव घाट के समीप स्थित विसर्जन कुंड में मूर्ति विसर्जन के लिए न आएँ। नागरिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने और सहयोग करने की अपील की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खारून नदी का जलस्तर सामान्य होने के बाद महादेव घाट के समीप विसर्जन कुंड में मूर्ति विसर्जन की प्रक्रिया दोबारा शुरू कर दी जाएगी। इसकी जानकारी प्रशासन द्वारा अलग से दी जाएगी।

## एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला कबड्डी टीम ने जीता स्वर्ण पदक, कोरबा की संजू देवी ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

### संजू देवी की उपलब्धि प्रदेश की बेटियों और युवा खिलाड़ियों के लिए बनेगी प्रेरणा : सीएम साय

रायपुर ■ दैनिक

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला कबड्डी टीम की सदस्य एवं छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की निवासी सुश्री संजू देवी को फोन कर इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सुश्री संजू देवी से आत्मीय संवाद करते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि उनकी इस उपलब्धि से पूरा छत्तीसगढ़ गौरवान्वित है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सुश्री संजू देवी से कहा कि आपने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और शानदार प्रदर्शन से न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश का नाम

रोशन किया है। एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय महिला कबड्डी टीम की स्वर्णिम सफलता प्रत्येक देशवासी के लिए गर्व का क्षण है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में छत्तीसगढ़ की बेटों की महत्वपूर्ण भागीदारी प्रदेश के लिए विशेष गौरव की बात है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटियाँ आज शिक्षा, खेल सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का परचम लहरा रही हैं। कोरबा की संजू देवी ने अपनी मेहनत और खेल कौशल के बल पर राष्ट्रीय टीम में स्थान बनाया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश का मान बढ़ाया है। उनकी सफलता प्रदेश के उन हजारों युवा खिलाड़ियों, विशेषकर



बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो खेल के क्षेत्र में आगे बढ़कर देश और प्रदेश का नाम रोशन करने का सपना देख रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर, प्रशिक्षण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ के गांवों, आदिवासी अंचलों और छोटे शहरों में मौजूद खेल प्रतिभाओं को उचित मंच मिले और वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करें।

उल्लेखनीय है कि जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला कबड्डी टीम ने शानदार

प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में ईरान को पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। भारतीय टीम की इस स्वर्णिम सफलता में छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की सुश्री संजू देवी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सुश्री संजू देवी भारतीय राष्ट्रीय महिला कबड्डी टीम की सदस्य हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने भारतीय महिला कबड्डी टीम के सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं सहयोगी स्टाफ को भी इस शानदार सफलता के लिए बधाई दी और टीम के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय खिलाड़ी आने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

## ट्रांसफॉर्मर फटने से पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की हुई मौत

**बेमेतरा (एजेंसी)।** बेमेतरा जिले के दाढ़ी थाना क्षेत्र के ग्राम हेमाबंद खार में ट्रांसफार्मर फटने से गर्म तेल की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलसे पिता-पुत्र एवं एक अन्य किसान की हादसे के छठवें दिन उपचार के दौरान मौत हो गई।

तीनों घायलों को रायपुर के आंबेडकर अस्पताल में भर्ती किया गया था। घटना 20 सितंबर की सुबह करीब 9 बजे के बीच हुई थी। हादसे में हुई ग्रामीणों की मौत पर स्थानीय विधायक और मंत्री दयालदास बघेल ने शोक जताया है।

मिली जानकारी के अनुसार, विजली बंद होने के कारण ग्राम मोहतरा निवासी किसान



राधेश्याम चंद्राकर (50), उनके पुत्र छन्नू चंद्राकर (32) और किसान इश्वर पटेल ट्रांसफार्मर देखने के लिए पहुंचे थे। वे ट्रांसफार्मर में डीओ (ड्रॉप

आउट फ्यूज) चढ़ाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान ट्रांसफार्मर फट गया।

तेज धमाके के साथ निकला गर्म तेल किसानों के ऊपर गिर

गया, जिससे तीनों गंभीर रूप से झुलस गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन व ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्हें बेमेतरा जिला अस्पताल ले गए। यहां प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को रायपुर रेफर कर दिया गया। इस पर परिजन उन्हें रायपुर के निजी अस्पताल ले गए। दो दिनों तक चले इलाज के बाद भी आशाजनक सुधार नहीं होने पर खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने उन्हें आंबेडकर अस्पताल में शिफ्ट करा दिया था। यहां 25 सितंबर की सुबह राधेश्याम चंद्राकर और छन्नू चंद्राकर की मौत हो गई। वहीं किसान इश्वर पटेल ने इसी दिन दोपहर में दम तोड़ दिया।

## महानदी का बढ़ा जलस्तर: शिवरीनारायण पुल के ऊपर से बह रहा पानी, रूट किया गया डायवर्ट



**जांजगीर-चाम्पा (एजेंसी)।** भारी बारिश का असर जांजगीर चांपा के शिवरीनारायण में भी देखने को मिल रही है, जहां शिवरीनारायण पुल पर

पानी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। पानी पुल के ऊपर आने की वजह से यातायात प्रभावित हो गया है, जिसके कारण मार्ग को भी डायवर्ट कर दिया गया है। बता दें कि बारिश के कारण गंगरेल बांधा के 14 गेट खोले गए हैं, जिसकी वजह से शिवरीनारायण महानदी का जल स्तर बढ़ गया है। पानी शिवरीनारायण पुल के ऊपर से बह रहा है, जिससे देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ रहा है। वहीं पानी पुल के ऊपर आने की वजह से शिवरीनारायण से गिधौरी गांव का यातायात बंद हो गया है। प्रशासन ने बेरिकेड लगाकर आवागमन को बंद करा दिया है। मौके पर DDRF और प्रशासन की पूरी टीम तैनात है।

## नागालैंड में शराब पीने से दो दिन में 19 की मौत

कोहिमा ■ एजेंसी

नागालैंड के मोकोकचुंग और तुपुसांग जिलों में पिछले दो दिनों में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई है। इसके बाद पुलिस ने अवैध शराब के स्रोत और सप्लायर चैन की जांच शुरू कर दी है। इस शराब त्रासदी के सिलसिले में अब तक 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कोहिमा में पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मोकोकचुंग जिले में आठ और तुपुसांग जिले में 11 लोगों की मौत की खबर है। उन्होंने बताया कि इन मौतों की जांच करने



और संदिग्ध मिलावटी शराब के स्रोत का पता लगाने के लिए एंडिशनल सुपरिटेण्डेंट ऑफ पुलिस (एसपी) बृंगलांग चांग की अध्यक्षता में एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई गई है। अधिकारी ने कहा, कुछ सुराग मिले हैं, लेकिन अभी जानकारी का खुलासा करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने

बताया कि मौतों का कारण पता लगाने के लिए शराब के सैंपल फॉरेंसिक जांच के लिए गुवाहाटी की एक लैब में भेजे गए हैं। इन मौतों के बाद पुलिस ने कई जगहों पर छापेमारी की और 19 लोगों को गिरफ्तार किया, साथ ही शराब की लगभग 3,000 बोतलें जब्त की। नागालैंड में 1990 से शराबबंदी कानून लागू है, हालांकि राज्य में शराब का सेवन और अवैध बिक्री अभी भी चुनौतियां बनी हुई हैं। पुलिस ने कई बार लोगों को बिना पहचान, बिना लेबल या संदिग्ध अवैध शराब न पीने की सलाह दी है।

# CLUB SAMPURNA

## Launching Today

Grand Launch Offer

50% OFF

ON REGISTRY CHARGES & STAMP DUTY

Premium Residential Plots

Exclusive Gated Community

Lush Green Spaces

Ready Amenities

Visit Today

Near Sanjeevani Hospital, Chikhali, Khairagarh Road, Rajnandgaon (C.G.)

RERA No. PCGRERA250724001800  
https://rera.cgstate.gov.in/

83-9996-9991  
83-9996-9992



# पितृ पक्ष में पहला श्राद्ध करने से पहले जरूर जान लें ये जरूरी बातें, तभी पितृ प्रसन्न होकर देंगे आशीर्वाद

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व बताया गया है। यह समय पितरों को प्रसन्न करने के लिए अति उत्तम माना गया है। धार्मिक मान्यता है कि पितृ पक्ष में पूर्वजों का तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध करने से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। पितृ पक्ष में दान-पुण्य और पितरों का पूजन करने से पूर्वज प्रसन्न होते हैं। वहीं जो पितृ दोष से पीड़ित हैं उन्हें भी इससे छुटकारा मिलता है। इस साल पितृ पक्ष का पहला यानी प्रतिपदा श्राद्ध 27 सितंबर 2026 को किया जाएगा। तो अगर आप भी पितरों का श्राद्ध करने जा रहे हैं तो इन बातों का खास ध्यान रखें।

**बाल, दाढ़ी न और नाखून नहीं काटना चाहिए**  
पितृ पक्ष में बाल, दाढ़ी और नाखून काटना वर्जित होता है। ऐसे में श्राद्ध पक्ष में ये कार्य बिल्कुल भी न करें। खासतौर से जो व्यक्ति अपने पितरों का श्राद्ध और तर्पण कर रहा है उन्हें इस नियम का जरूर पालन करना चाहिए।

**साफ-सफाई का ध्यान रखें**  
पितृ पक्ष में अगर आप घर पर पितरों का श्राद्ध कर रहे हैं तो साफ-साफ का ध्यान रखें। विशेष रूप से जहां पितरों का



तर्पण और श्राद्ध कर रहे हैं वहां शुद्धता और स्वच्छता का ध्यान जरूर रखें। घर में जो भी टूटी-फूटी या बेकार की चीजें हैं उन्हें घर से बाहर फेंक दें।

## पितृ पक्ष 2026

### दिशा और मुहूर्त

अगर आप पितरों का श्राद्ध कर रहे हैं तो दिशा और सही मुहूर्त का ध्यान जरूर रखें। पितरों का श्राद्ध करने के लिए दोपहर

का समय सबसे उत्तम माना जाता है। कुतुप काल और रोहिण व अपराह्न काल सबसे शुभ होता है। वहीं पितरों का तर्पण हमेशा दक्षिण दिशा की ओर मुंह कर के ही करना चाहिए। हिंदू धर्म में दक्षिण दिशा को पितरों की दिशा मानी गई है।

### पंचबली भोग

पितृ पक्ष में श्राद्ध के दौरान पंचबलि भोग भी निकालने का विधान है। श्राद्ध का भोजन सबसे पहले गाय, कुत्ते, कौवे, देवता और चींटी के लिए अलग निकाल कर रख लें। ऐसा करने से पितृ संतुष्ट और प्रसन्न होते हैं।

### इन बातों का भी रखें ध्यान

श्राद्ध के दिन तामसिक चीजों का सेवन न करें। घर में सात्विक खाना ही बनाएं। प्याज-लहसुन का इस्तेमाल न करें। घर में लड़ाई-झगड़ा न करें। घर का वातावरण सकारात्मक और शांत रखें। श्राद्ध का भोजन बनाने के लिए प्लास्टिक और लोहे के बर्तनों का इस्तेमाल न करें।

पितृ पक्ष में नए वस्त्र, वाहन या मकान की खरीदारी जैसे मांगलिक कार्यों करने से बचें। (एजेंसी)।

# पितृ पक्ष में श्राद्ध करना क्यों जरूरी होता है?

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। हिंदू कैलेंडर के अनुसार श्राद्ध पक्ष भाद्रपद माह की पूर्णिमा से लेकर आश्विन माह की अमावस्या तिथि तक रहते हैं।

पितृ पक्ष की कुल अवधि 16 दिनों की होती है। शास्त्रों के अनुसार, पितृ पक्ष में श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने से व्यक्ति पितृ ऋण और दोष से मुक्त होता है और पूर्वजों की आत्मा को शांति और मुक्ति मिलती है। मान्यता है कि पितृ पक्ष के 16 दिनों में यमराज पितरों की आत्माओं को मुक्त कर देते हैं, जिससे वे सुक्ष्म रूप में पृथ्वी पर अपने परिजनों के बीच आते हैं। इस समय श्राद्ध कर्म से प्रसन्न होकर वे अपने वंशजों को सुख, समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद प्रदान करते हैं। इस बार पितृ पक्ष 26 सितंबर से प्रारंभ हो रहे हैं और इनका समापन 10 अक्टूबर को होगा। यहां पौराणिक कथा से जांनें पितृ पक्ष में श्राद्ध करना क्यों जरूरी होता है?

### दानवीर कर्ण से जुड़ी पौराणिक कथा:

महाभारत के अनुसार, जब दानवीर कर्ण की मृत्यु के बाद उनकी आत्मा स्वर्ग पहुंची, तो उन्हें भोजन के स्थान पर सोना-चांदी और आभूषण परोसे गए। कर्ण ने जब इसका कारण पूछा, तो इंद्रदेव ने बताया कि उन्होंने जीवनभर सोना और धन तो दान किया, लेकिन कभी अपने पितरों को अन्न और जल समर्पित नहीं किया। कर्ण ने कहा कि उन्हें अपने पूर्वजों का ज्ञान नहीं था। इसके बाद इंद्रदेव ने कर्ण को 16 दिनों के लिए पुनः पृथ्वी पर लौटने की अनुमति दी, ताकि वे अपने पूर्वजों के नाम से अन्न

और जल का दान कर सकें। इन्हीं 16 दिनों की अवधि को आगे चलकर पितृ पक्ष कहा गया।

### महाभारत में वर्णित है कथा:

तर्पण श्राद्ध से जुड़ा एक प्रसंग महाभारत के 13वें अध्याय में वर्णित है जो कि जरत्कार ऋषि का है। प्रसंग के अनुसार, जरत्कार ऋषि ब्रह्मचर्य जीवन बिताते हुए जंगल में तपस्या कर रहे थे। एक दिन शाम को वन में घूमते समय उन्हें पेड़ पर कुछ पितृ गण उलटा टंगे दिखाई दिए। तब ऋषि ने उन पितरों के पास जाकर पूछा कि वह लोग कौन हैं और इस तरह से उलटा क्यों टंगे हैं। उनकी मुक्ति का क्या उपाय है। तब पितरों ने बताया कि हमारे कुल, खानदान में वंश परंपरा समाप्त होने के कारण कोई नहीं बचा है जो हम सभी पितरों का पितृ पक्ष में श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान कर मुक्ति दिला सके।

पितरों ने कहा कि उनके खानदान में एक ही व्यक्ति बचा है जो ब्रह्मचर्य जीवन बिता रहा है उसका नाम जरत्कार है। यह सुनकर जरत्कार ऋषि को बहुत दुख हुआ और बोलें कि वह अभाग्य जरत्कार ऋषि वह ही हैं। इतना सुनते ही पितृ गण प्रसन्न हो गए और बोले की बड़े सौभाग्य की बात है कि आप से मुलाकात हो गई। पितरों ने कहा कि अगर आप हम सभी को मुक्ति दिलाना चाहते हैं तो अतिशीघ्र विवाह करें और अपने कुल में वंश की वृद्धि करें और पितृ पक्ष के अवसर पर खानदान के सभी स्वर्गवासी पितृ गणों के नाम से श्राद्ध, पिंडदान और तर्पण करें जिससे सभी को मुक्ति मिल सके। (एजेंसी)।

# पितृ पक्ष में क्या करें और क्या न करें?

पितृ पक्ष 26 सितंबर से शुरू हो रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि शास्त्रों की मान्यता के अनुसार, भाद्रपद पूर्णिमा पर ऋषि तर्पण किया जाता है। साथ ही इस दिन उन पूर्वजों का श्राद्ध किया जाता है, जिनकी मृत्यु शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर हुई। इसके बाद आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से अमावस्या तक श्राद्ध (तर्पण, पिंडदान) किया जाता है। पंचांग के अनुसार, सर्वपितृ अमावस्या 10 अक्टूबर को है। ऐसे में इसी तारीख को पितृ पक्ष का समापन होगा। पितृ पक्ष में कुछ कार्यों को करना अच्छा माना गया है, जबकि कुछ कामों को न करने की सलाह दी जाती है। इसलिए पितृ पक्ष में क्या करें और क्या न करें, जानिए।

**पितृ पक्ष में क्या करें**  
कर्मकांड और धर्मशास्त्र के अनुसार, पितृ पक्ष में सात्विक भोजन करना चाहिए। कहा जाता है कि पितृ पक्ष में सात्विक भोजन करने से पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। पितृ पक्ष में ब्रह्मचर्य के नियमों का भी पालन

करना जरूरी माना गया है।

पितृ पक्ष के दौरान पिंडदान के समय सफेद वस्त्र पहनने की परंपरा है। साथ ही दक्षिण दिशा की तरफ मुंह करके पितृ कर्म करना चाहिए। पूर्वजों का तर्पण काले तिल, जल और कुश से किया जाता है। शास्त्रों के अनुसार गयाजी, पुष्कर, प्रयागराज और हरिद्वार जैसे तीर्थों स्थलों पर श्राद्ध कर्म करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है।

पितृ पक्ष में पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध (तर्पण, पिंडदान) के बाद दान करने की परंपरा है। दान क्षमता के अनुसार ही करना चाहिए। पितृ पक्ष में घी, अन्न, गुड़, तिल, कपड़ा, चांदी और भूमि (जमीन) का दान करना अच्छा माना गया है।

पितृ पक्ष में गाय, कुत्ता, चींटी, कौआ और देवता को भोजन देने की परंपरा है। भोजन का एक हिस्सा इस सभी से लिए निकाल दिया जाता है, उसके बाद घर के लोग भोजन करते हैं। मान्यता है कि पितृ पक्ष में पांच रूपों में पितृ देव धरती पर पधारते हैं।



शास्त्रों में इसे पंचबलि कहा गया है।

पितृ पक्ष में प्रतिदिन शाम के समय पूर्वजों के निमित्त दीपक जलाने की परंपरा है। दीपक को घर के द्वार पर दक्षिण दिशा में

जलाया जाता है। मान्यता है कि पितृ पक्ष में रोज यह काम करने से पूर्वजों की कृपा प्राप्त होती है।

### पितृ पक्ष में क्या न करें

पितृ पक्ष की अवधि में किसी भी प्रकार के मांगलिक कार्य (गृह प्रवेश, मुंडन, जनेऊ, शादी, सगाई आदि) नहीं किए जाते। इसलिए इस दौरान मांगलिक कार्य नहीं करना

चाहिए।

मांसाहार और नशीले पदार्थ (शराब, मांस, मछली, अंडा, लहसुन-प्याज आदि) का सेवन करने से बचना चाहिए। इस दौरान दूसरी नशीले पदार्थों का सेवन भी नहीं करना चाहिए। मान्यता है कि पितृ पक्ष में ऐसा करने से पूर्वजों की कृपा प्राप्त नहीं होती।

पितृ पक्ष के दौरान आचरण अच्छा रखना चाहिए। इस दौरान क्रोध करने, गाली देने, अनावश्यक विवाद से बचने की सलाह दी जाती है। घर-परिवार या कहीं किसी भी स्थान पर बड़े-बुजुर्गों, महिलाओं का अपमान नहीं करना चाहिए।

शास्त्रों में पितृ पक्ष के दौरान ब्रह्मचर्य का पालन करने की सलाह दी गई है। इसलिए इस दौरान शारीरिक संबंध बनाने से बचना चाहिए।

पितृ पक्ष में नई चीजों की खरीदारी नहीं की जाती है। मान्यतानुसार, इस दौरान नया वाहन, घर, प्रॉपर्टी, सोने-चांदी के गहने आदि नहीं खरीदे जाते हैं। (एजेंसी)।

# भगवान विष्णु की सुगंध और खीर का वो रहस्य.. जिससे पितरों को होती है मोक्ष की प्राप्ति



**गया (एजेंसी)।** विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला 25 सितंबर से शुरू हो गया है। शनिवार यानी कि 26 सितंबर से पितृपक्ष मेले के दूसरे दिन से गया श्राद्ध शुरू हो जाता है। पितृपक्ष मेले के पहले दिन पुनपुन में पिंडदान-तर्पण का कर्मकांड करने का विधान है। पितृपक्ष मेले के दूसरे दिन शनिवार को पावन फल्गु नदी के तट पर पिंडदान की परंपरा है।

## फल्गु नदी के पावन तट पर पिंडदान का विधान

इसकी काफी बड़ी मान्यता है। पुराण शास्त्रों के अनुसार भाद्रशुक्ल पूर्णिमा की तिथि को फल्गु नदी (फल्गु तीर्थ) के तट पर पिंडदान का कर्मकांड करने से कुल की सात पीढ़ियों का उद्धार हो जाता है। गया श्राद्ध के पहले दिन फल्गु नदी के तट पर पिंडदान का विधान है।

## खीर के पिंड से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति

यहां खीर के पिंड से पिंडदान श्राद्ध का कर्मकांड किया जाता है। गंगा तुल्य फल्गु नदी तट पर ही खीर के पिंड से पिंडदान करने से बड़ी मान्यता यह है,



कि इससे कुल की सभी पीढ़ियों का उद्धार हो जाता है। कुल के समस्त पितरों को मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है।

## फल्गु नदी का पौराणिक और आध्यात्मिक महत्व

फाल्गुनी गंगा के तट पर पिंडदान श्राद्ध का कर्मकांड का काफी माहात्म्य माना जाता है। फल्गु नदी को भगवान विष्णु की जलापूर्ति माना जाता है। पुराण शास्त्रों में जिक्र है कि फल्गु नदी भगवान विष्णु के शरीर की सुगंध से ओतप्रोत है। यही वजह है, कि फाल्गुनी में स्नान के

बाद इसके तट पर खीर का पिंड बनाकर पिंडदान, श्राद्ध-तर्पण का कर्मकांड किया जाता है।

## गयापाल पंडा का आशीर्वाद लेकर पिंडदान की शुरुआत

गया श्राद्ध के पहले दिन तीर्थयात्री गयापाल पंडे से आज्ञा लेकर पिंडदान के कर्मकांड की शुरुआत करते हैं। पावन फल्गु में स्नान और इसके तट से इसकी शुरुआत होती है।

पितृपक्ष मेले में देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी तीर्थयात्रियों का आगमन

होता है। पितृपक्ष मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। पितृपक्ष मेले में गया श्राद्ध के पहले दिन फाल्गुनी नदी के तट पर पिंडदान किया जाता है। मान्यता है, कि पुराण ग्रंथों में फल्गु को गंगा कहा जाता है।

### पहुंचने लगे तीर्थयात्री

वहीं, तीर्थयात्रियों का काफी संख्या में गया जी पहुंचना शुरू हो गया है। गयाजी में जो भी तीर्थयात्री आते हैं, वह अलग- अलग दिनों पिंडदान का कर्मकांड करते हैं। गया जी में एक दिन का भी पिंडदान का कर्मकांड होता है। वहीं, त्रैपाक्षिक श्राद्ध करने वाले सत्रह दिनों तक रुक कर कर्मकांड करते हैं।

"पितृपक्ष मेला शुरू हो चुका है। पितृपक्ष मेला अंतर्गत गया श्राद्ध के पहले दिन फल्गु नदी में स्नान का विधान है। वहीं, फल्गु के तट पर खीर से पिंड बनाकर पिंडदान श्राद्ध किया जाता है। फल्गु तीर्थ का काफी महत्व है। फाल्गुनी नदी गंगा समतुल्य है। फल्गु में खीर के पिंड से पिंडदान-तर्पण का कर्मकांड करने से पिंडदानी के समस्त कुलों का उद्धार हो जाता है और मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है।"- गजाधर लाल कटरियार, गयापाल पंडा

# जान लें श्राद्ध की सभी तिथियां और किस समय तर्पण करना उत्तम है?

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व है। पितृ पक्ष को श्राद्ध पक्ष भी कहा जाता है। यह समय पूर्वजों या पितरों के प्रति आदर, श्रद्धा और कृतज्ञता जाहिर करने के लिए सबसे उत्तम समय माना गया है।

पितृ पक्ष में पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध जैसे धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं। मान्यता है कि पितृ पक्ष में पितर पृथ्वी लोक में आते हैं और अपने वंशजों पर कृपा बरसाते हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करते हैं। कहा जाता है कि श्राद्ध कर्म हमेशा शुभ समय और नियमों के साथ करने चाहिए। हिंदू पंचांग के अनुसार पितृ पक्ष भाद्रपद महीने की पूर्णिमा तिथि से शुरू होकर आश्विन महीने की अमावस्या (सर्वपितृ अमावस्या) तक रहते हैं। यह कुल 16 दिनों की अवधि होती है। जाने पितृ पक्ष कब से शुरू हो रहे और कब समाप्त होंगे। पितृ पक्ष के पहले दिन श्राद्ध और पिंडदान का शुभ मुहूर्त।

पितृ पक्ष 26 सितंबर से 10 अक्टूबर तक मान्य रहेंगे। 26 सितंबर को भाद्रपद पूर्णिमा है, इसे श्राद्ध पूर्णिमा भी कहा जाता है। पूर्णिमा तिथि पर उन पितरों का श्राद्ध किया जाता है जिनकी मृत्यु पूर्णिमा तिथि पर हुई हो। प्रतिपदा श्राद्ध 27 सितंबर 2026 को है। मुख्य रूप से पितृ पक्ष आश्विन माह के कृष्ण प्रतिपदा तिथि से माने जाते हैं। पितृ पक्ष का समापन 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या पर होगा।

### श्राद्ध और तर्पण के लिए शुभ मुहूर्त:

शास्त्रों के अनुसार, पितरों के लिए श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान के लिए हमेशा दोपहर का समय ही उत्तम माना जाता है। इसके लिए मुख्य रूप से कुतुप और रोहिणी काल शुभ माने गए हैं। यहां देखें प्रतिपदा तिथि पर श्राद्ध और पिंडदान के शुभ मुहूर्त:

कुतुप मुहूर्त - दोपहर 01:17 बजे से दोपहर 02:05 बजे तक।  
अवधि - 48 मिनट  
रोहिणी मुहूर्त - दोपहर 02:05 बजे से दोपहर 02:53 बजे तक।  
अवधि - 48 मिनट  
अपराह्न काल - दोपहर 02:53 बजे से शाम 05:15 बजे तक।  
अवधि - 02 घंटे 23 मिनट

पितृ पक्ष 2026 का कैलेंडर:  
भाद्रपद पूर्णिमा श्राद्ध- 26 सितंबर, शनिवार- पूर्णिमा  
प्रतिपदा श्राद्ध- 27 सितंबर, रविवार  
द्वितीया श्राद्ध- 28 सितंबर, सोमवार  
तृतीया श्राद्ध- 29 सितंबर, मंगलवार  
चतुर्थी श्राद्ध- 30 सितंबर, बुधवार  
पंचमी श्राद्ध- 1 अक्टूबर, गुरुवार  
षष्ठी श्राद्ध- 2 अक्टूबर, शुक्रवार  
सप्तमी और अष्टमी श्राद्ध- 3 अक्टूबर, शनिवार  
नवमी श्राद्ध- 4 अक्टूबर, रविवार (मातृ नवमी)  
दशमी श्राद्ध- 5 अक्टूबर, सोमवार  
एकादशी श्राद्ध- 6 अक्टूबर, मंगलवार  
द्वादशी श्राद्ध- 7 अक्टूबर, बुधवार  
त्रयोदशी श्राद्ध- 8 अक्टूबर, गुरुवार  
चतुर्दशी श्राद्ध- 9 अक्टूबर, शुक्रवार  
अमावस्या श्राद्ध- 10 अक्टूबर, शनिवार

श्राद्ध वाले दिन पंचबलि भोग निकालना:

श्राद्ध के दिन भोजन तैयार होने के बाद सबसे पहले 5 भागों में भोग निकाला जाता है। पहला गाय के लिए, कुत्ते के लिए, कौए के लिए, देवताओं/चींटियों के लिए और ब्राह्मण के लिए। श्राद्ध के दिन ब्राह्मणों को भोजन कराने के बाद अपनी सामर्थ्य अनुसार वस्त्र, अनाज, तिल, गुड़ या दक्षिणा का दान देना चाहिए। (एजेंसी)।





### बाढ़ की स्थिति को देखते हुए कोटवारों की ड्यूटी लगाई गई

गरियाबंद। जिले में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने ग्रामीण क्षेत्रों में सतत निगरानी एवं त्वरित सूचना व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिले के समस्त कोटवारों की ड्यूटी उनके अपने-अपने ग्रामों में तत्काल प्रभाव से लगाई है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा आपादा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 24 एवं 34 के तहत जारी आदेश में कोटवारों को बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार प्रत्येक कोटवार को अपने-अपने ग्राम की नदी, नाला एवं पुल-पुलियों के जलस्तर पर सतत निगरानी रखनी होगी। जलस्तर अथवा बाढ़ की स्थिति में किसी भी प्रकार के बदलाव की जानकारी तत्काल संबंधित हल्का पटवारी एवं ग्राम सचिव को देना होगा। इसके साथ ही हर दो घंटे में स्थिति की जानकारी संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं।

### युवा रत्न सम्मान : 30 अक्टूबर तक जमा होंगे आवेदन

बिलासपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा युवाओं और स्वैच्छिक संगठनों के उत्कृष्ट कार्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'युवा रत्न सम्मान' वर्ष 2026-27 के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। सम्मान के लिए 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं द्वारा सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, साहसिक, शैक्षणिक, खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को शामिल किया गया है। आवेदन जमा करने की तिथि 1 अक्टूबर 2026 से 30 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित है। योजना की विस्तृत जानकारी, आवेदन पत्र का प्रारूप एवं मार्गदर्शिका विभाग की वेबसाइट [sportsyw.cg.gov.in](http://sportsyw.cg.gov.in) से प्राप्त की जा सकती है। योजना के तहत एक स्वैच्छिक संगठन तथा 14 विभिन्न क्षेत्रों में एक-एक उत्कृष्ट युवा का चयन किया जाएगा।

## मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुंगेली के मदकू में कार्यक्रम में हुए शामिल

# आंगन मिलन सेवा से उत्सव स्थल बने आंगनबाड़ी केंद्र, पहले दिन 97 हजार से अधिक लोगों की सहभागिता

रायपुर ■ दैनन्दिनी

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रदेश में शुक्रवार से शुरू हुई 'आंगन मिलन सेवा' के पहले दिन आंगनबाड़ी केंद्रों में उत्सव जैसा माहौल रहा। राज्यभर में 2,262 स्थानों पर 12,698 गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें 97,471 लोगों ने सहभागिता की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय भी मुंगेली जिले के मदकू में आयोजित आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में शामिल हुए और माताओं एवं बच्चों के पोषण का संदेश दिया। आंगनबाड़ी केंद्रों में गर्भवती माताओं का स्वागत किया गया। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों, दालों और हरी सब्जियों



का प्रदर्शन कर परिवारों को संतुलित भोजन के बारे में बताया गया। सुपोषित थाली के माध्यम से महिलाओं ने जाना कि रोजमर्रा के भोजन में विविध खाद्य पदार्थ शामिल कर माताओं और बच्चों

का पोषण कैसे बेहतर बनाया जा सकता है। कार्यक्रमों में बच्चों के अभिभावकों ने भी भाग लिया और पोषण तथा मातृ स्वास्थ्य से जुड़े अनुभव साझा किए। महतारी वंदन



योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की लाभार्थियों ने बताया कि योजनाओं से मिली सहायता से वे

अपनी और अपने परिवार की जरूरतें पूरी कर पा रही हैं। आंगन मिलन सेवा के माध्यम से परिवारों और समुदाय को

आंगनबाड़ी केंद्रों से जोड़ते हुए बच्चों के पोषण को साझा जिम्मेदारी बनाने पर जोर दिया गया।

## राधे मोहन रामायण समिति गौरेला के 42 श्रद्धालुओं का जत्था नर्मदा परिक्रमा के लिए रवाना

गौरेला नगर पालिका अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना



गौरेला ■ दैनन्दिनी

नगर की प्रसिद्ध धार्मिक संस्था राधे मोहन रामायण समिति गौरेला के श्रद्धालुओं का दल आज पवित्र माँ नर्मदा की परिक्रमा के लिए रवाना हुआ। नगर पालिका परिषद गौरेला के अध्यक्ष मुकेश दुबे एवं उपाध्यक्ष रोशनी तापस शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर एवं पूजा-अर्चना कर यात्रा को रवाना किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष मुकेश दुबे ने कहा कि नर्मदा परिक्रमा करना बड़े सौभाग्य की बात है। समिति के सभी सदस्यों की यात्रा मंगलमय हो। उपाध्यक्ष श्रीमती रोशनी तापस शर्मा ने सभी श्रद्धालुओं को तिलक लगाकर एवं मीठा खिलाकर शुभकामनाएं दीं।

**यात्रा का विवरण -** समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह यात्रा कुल 13

दिनों की रहेगी। 42 श्रद्धालुओं का यह दल सबसे पहले अमरकंटक पहुँचेगा, जहाँ से माँ नर्मदा के उद्गम स्थल से संकल्प लेकर परिक्रमा प्रारंभ होगी।

अमरकंटक से होते हुए यह जत्था मध्यप्रदेश से महाराष्ट्र और गुजरात के भरूच में नर्मदा के सागर संगम तक जाएगा और पुनः दूसरे तट से होते हुए वापस अमरकंटक में परिक्रमा पूर्ण करेगा।

यात्रा के दौरान ओंकारेश्वर, महेश्वर, नेमावर, गरुडेश्वर जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन भी श्रद्धालु करेंगे।

**नर्मदा परिक्रमा का महत्व -** धर्म ग्रंथों में माँ नर्मदा को मोक्षदायिनी कहा गया है। स्कंद पुराण में उल्लेख है कि गंगा में स्नान करने से जो पुण्य मिलता है, वह नर्मदा के दर्शन मात्र से मिल जाता है।

नर्मदा जी ही एकमात्र ऐसी

नदी हैं जिनकी परिक्रमा की जाती है। लगभग 3,000 किलोमीटर की यह परिक्रमा जीवन के समस्त पापों को हरने वाली और सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाली मानी जाती है। मान्यता है कि स्वयं देवता, ऋषि-मुनि भी नर्मदा परिक्रमा करते हैं। इसे करने से व्यक्ति को अश्वमेध यज्ञ के समान फल की प्राप्ति होती है।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष मुकेश दुबे, उपाध्यक्ष रोशनी तापस शर्मा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष राखी सिंह गहलोत, कौशल मणि तिवारी, भगत मेथवानी, उमेश अग्रवाल, तापस शर्मा, शंकर सोनी, चन्द्रमोहन नामदेव, विकास केशरी, राजेश साहू, गोविंद सहाय, राकेश दुबे, मौसम ताम्रकर सहित रामायण समिति के सभी सदस्य, नगर पालिका के पार्षदगण एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

## ‘रक्षक’ पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय पहचान, छग बाल अधिकार संरक्षण आयोग को SKOCH गोल्ड अवार्ड

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अभिनव ‘रक्षक’ पाठ्यक्रम को SKOCH गोल्ड अवार्ड से सम्मानित किया गया है। आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा के नेतृत्व में तैयार इस पहल को बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।

यह सम्मान SKOCH ग्रुप के चेयरमैन समीर कोचर ने प्रदान किया। इस अवसर पर पर्यावरणविद सुनीता नारायण, पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की पूनम मुत्तेरजा, भारत सरकार के पूर्व सचिव संजय कुमार और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के पूर्व महासचिव भरत लाल उपस्थित थे। डॉ. शर्मा ने बताया कि पुरस्कार की चयन प्रक्रिया



में आयोग ने जूरी के समक्ष ‘रक्षक’ पाठ्यक्रम का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। मूल्यांकन के बाद इस पहल को गोल्ड श्रेणी में चुना गया। ‘रक्षक’ यानी पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा इन प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स

(PGDPCR) एक वर्षीय, दो सेमेस्टर का पाठ्यक्रम है। इसमें प्रवेश की न्यूनतम योग्यता स्नातक है। इसका उद्देश्य बाल संरक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करना है।

## सेवा संकल्प अभियान के तहत रोजगार मेले में युवाओं को मिला रोजगार का अवसर

गौरेला ■ दैनन्दिनी

सेवा संकल्प अभियान के तहत कलेक्टर विजय दयाराम के. के निर्देशानुसार युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार कार्यालय, शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं शासकीय आईटीआई मरवाही के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को आईटीआई परिसर मरवाही में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में 7 निजी संस्थानों के 478 रिक्त पदों के लिए ई-रोजगार



पोर्टल के माध्यम से कुल 778 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए। मेला स्थल पर 195 युवाओं ने साक्षात्कार में भाग लिया, जिनमें से विभिन्न नियोजकों द्वारा 88 युवाओं का प्राथमिक चयन तथा 47 युवाओं का अंतिम चयन

किया गया। शेष नियोजकों द्वारा अंतिम चयन की प्रक्रिया जारी है। जिला प्रशासन की ओर से नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर एवं सहायक संचालक कौशल विकास प्राधिकरण आकांक्षा पाण्डेय ने अंतिम रूप

से चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। रोजगार मेले के माध्यम से युवाओं को एक ही स्थान पर विभिन्न निजी संस्थानों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी के साथ साक्षात्कार एवं चयन का अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत क्रियान्वयन संस्था कैरियर जोन एजुकेशनल सोसायटी द्वारा प्रशिक्षित जनरल ड्यूटी असिस्टेंट के हितग्राहियों को प्रशिक्षण पूर्णता प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

## लगातार बारिश से कवर्धा में जन जीवन प्रभावित

कवर्धा ■ दैनन्दिनी

लगातार दो दिनों से हुई बारिश से जहाँ जिले के नदी नाले उफान पर है वहीं कवर्धा नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में बारिश के चलते जनजीवन थोड़ा बहुत प्रभावित जरूर हुआ है। हॉट बाजारों की रौनकता भी अन्य दिनों की अपेक्षा फीकी रही जिले की सभी बांधे लगभग पानी से लबालब हो गई है। सरोधा जलाशय में लगातार पानी की आवक बढ़ने से जलाशय का पानी उलट करीब चार फीट ऊपर बहाव की स्थिति में पहुंच गया है। इसके चलते जलभराव एवं तेज बहाव ने आसपास के मार्गों को प्रभावित करते ग्राम झंडी, केसदा, बाधा, जामुनपानी सहित करीब 10 से 15 गांवों का जिला मुख्यालय कवर्धा से संपर्क प्रभावित होने की स्थिति निर्मित हो गई है। लगातार बारिश के कारण सरोधा जलाशय का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जलाशय से पानी के तेज बहाव के कारण आवागमन वाले मार्गों पर पानी चढ़ गया है। ग्रामीणों के सामने सबसे बड़ी परेशानी जिला मुख्यालय तक पहुंचने की है। रोजमर्रा के काम, उपचार, शिक्षा, बाजार और अन्य जरूरी कार्यों के लिए कवर्धा आने-जाने वाले ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

**चार फीट ऊपर बह रहा पानी, आवागमन पर संकट** बताया जा रहा है कि जलाशय में पानी निर्धारित स्तर से ऊपर पहुंचने के बाद तेज बहाव के साथ बाहर निकल रहा है। कई स्थानों पर पानी का बहाव इतना अधिक है



कि छोटे वाहनों से आवागमन ज़ोरिख भरा हो गया है। ग्रामीणों में इस बात को लेकर चिंता बनी हुई है कि यदि बारिश का सिलसिला इसी तरह जारी रहा तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

**10 से 15 गांवों पर असर**

सरोधा जलाशय के बढ़ते जलस्तर का असर आसपास के करीब 10 से 15 गांवों पर पड़ रहा है। झंडी, केसदा, बाधा और जामुनपानी सहित अन्य गांवों के लोगों के लिए कवर्धा जिला मुख्यालय तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि मार्ग बाधित होने से आवश्यक कार्यों के लिए भी उन्हें परेशानी उठानी पड़ रही है।

**प्रशासन से निगरानी और वैकल्पिक व्यवस्था की मांग**

ग्रामीणों ने प्रशासन से जलाशय एवं प्रभावित मार्गों की लगातार निगरानी करने की मांग की है। साथ ही पानी के तेज बहाव वाले स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने और आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराने की मांग उठ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दौरान प्रशासन को पहले से सतर्कता बरतनी चाहिए, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से बचा जा सके।

**बारिश का सिलसिला जारी रहा तो बढ़ सकती है परेशानी**

यदि क्षेत्र में लगातार बारिश जारी रहती है और जलाशय में पानी की आवक इसी तरह बनी रहती है, तो प्रभावित गांवों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। ऐसे में प्रशासन के सामने ग्रामीणों की सुरक्षा के साथ-साथ जिला मुख्यालय से संपर्क बनाए रखने की चुनौती भी बढ़ गई है।

## 24 घंटे से बाढ़ में फंसे यात्रियों के लिए मददगार बनी झलमला पुलिस

झलमला पुलिस ने कार सहित फंसे महिला-पुरुष यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला

कवर्धा ■ दैनन्दिनी

जिला कबीरधाम में चक्रवातीय मौसम सक्रिय होने एवं विगत दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण नदी-नालों में जलस्तर बढ़ने तथा मार्गों पर जलभराव की स्थिति निर्मित हो रही है। ऐसी परिस्थितियों में आमजन एवं राहगीरों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस टीमों द्वारा नदी-नालों में बाढ़ अथवा रास्ता अवरुद्ध होने की स्थिति में लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इसी क्रम में 25 सितम्बर को मण्डला से रायपुर की ओर जा रहे यात्रियों का वाहन भोरमदेव अभ्यारण्य के बांधा गांव से झलमला जंगल के मध्य गुजरने वाले सड़क मार्ग पर बांधा नाला एवं कुकुरगुड़ा नाला के बीच बाढ़ के पानी के कारण फंस गया। वाहन में श्रीमती रिचा झां पति सुयश झां, शिक्षिका, सुयश झां पति स्व. छेमन्द्र झां, ट्रांसपोर्टर, निवासी मण्डला शहर तथा संदीप पिता रमेश शुक्ला,



निवासी मण्डला सवार थे। लगातार बारिश के कारण आगे एवं पीछे दोनों नालों में बाढ़ का पानी बढ़ जाने से यात्रियों का वाहन सड़क मार्ग के बीच फंस गया। यात्रियों द्वारा स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कंट्रोल रूम कवर्धा को मोबाइल के माध्यम से सूचना दी गई। सूचना प्राप्त होते ही थाना झलमला पुलिस टीम द्वारा बिना समय गंवाए मौके पर पहुंचकर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की कार्यवाही प्रारंभ की गई। थाना झलमला प्रभारी एवं टीम द्वारा मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने परिस्थितियों का सावधानीपूर्वक आकलन करते हुए यात्रियों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई और 26

सितम्बर को प्रातः लगभग 11.00 बजे यात्रियों को उनके वाहन सहित सुरक्षित रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्र से बाहर निकाला। लगभग 24 घंटे तक बाढ़ के पानी के बीच मार्ग खुलने का इंतजार कर रहे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाले जाने के बाद बड़ी राहत मिली। पुलिस की तत्परता एवं संवेदनशील सहयोग से सभी यात्री सुरक्षित रहे और इसके पश्चात अपने वाहन से मण्डला के लिए रवाना हुए। यात्रियों द्वारा संकट की घड़ी में समय पर सहायता पहुंचाने एवं सुरक्षित बाहर निकालने के लिए झलमला पुलिस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए पुलिस टीम को बधाई दी गई।



-: संपादकीय :-

विश्व जनमत की स्वीकृति

भारत के अभिन्न अंगों को आधिकारिक भारतीय मानचित्र के अनुसार ही दिखाया जाना चाहिए, इस रुख से देश को आश्वस्त करने के बाद सरकार को यह बताना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र इस भावना के खिलाफ क्यों गया?सोलहवीं सदी से इस्तेमाल हो रहे मर्केटर मानचित्र को बदलने के प्रस्ताव का संयुक्त राष्ट्र में समर्थन कर भारत ने उचित रुख अपनाया। पुराना नक्शा जाहिरा तौर पर औपनिवेशिक नजरिए से तैयार किया गया था, जिसे बदलना विश्व बहुमत की जीत समझा जाएगा। यह बात संयुक्त राष्ट्र में हुए मतदान में भी जाहिर हुई, जहां सिर्फ अमेरिका ने इस प्रस्ताव का विरोध किया। आम तौर पर उसके पीछे चलने वाले छह देशों ने तटस्थ रुख अपनाया, जबकि भारत सहित 164 देशों ने मानचित्र बदलने का समर्थन किया। अतः बाद में जो हुआ, उसे नए नक्शे के समर्थन के भारत सरकार के फैसले से जोड़ कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह बेशक गहरे अफसोस की बात है कि बाद में संयुक्त राष्ट्र ने जो विश्व मानचित्र जारी किया, उसमें भारत की प्रादेशिक अखंडता का ख्याल नहीं रखा गया।इसमें जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों को पाकिस्तान और चीन के साथ विवादित हिस्से के रूप में दिखाया गया है। उचित ही भारत सरकार ने उस पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। उसने स्पष्ट कहा है कि ऐसा कोई भी चित्रण, जो आधिकारिक भारतीय नक्शे से मेल नहीं खाता, वह पूर्णतः अमान्य और अस्वीकार्य है। भारतीय विदेश मंत्रालय दो-टूक कहा है कि भारत की प्रादेशिक अखंडता और संप्रभुता पर कोई बातचीत नहीं हो सकती। भारत के अभिन्न अंगों को भारत के आधिकारिक मानचित्र के अनुसार ही दिखाया जाना चाहिए।बहरहाल, इस रुख से देश को आश्वस्त करने के बाद भारत सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र इस भावना के खिलाफ क्यों गया? भारत के जिन इलाकों पर पाकिस्तान और चीन की निगाहें रही हैं, आखिर उनके बारे में विश्व समुदाय का बहुमत क्या सोचता है? हालांकि किसी बाहरी ताकत की सोच अपनी प्रादेशिक अखंडता की रक्षा करने के भारतीय आवाम के इरादे को नहीं डिगा सकती, फिर भी दुनिया में सम्मानित राष्ट्र के रूप खड़े रहने के लिए अपने पक्ष को विश्व जनमत की स्वीकृति दिलाना भी अनिवार्य है। इस बिंदु पर दुनिया में भारत की क्या स्थिति है, इस बारे में देशवासियों को भरोसे में लिया जाना चाहिए।

नजरिया

कॉर्पोरेट जगत में नारी शक्ति का बढ़ता कद

हरिशंकर व्यास

कुल मिलाकर पारिवारिक जिम्मेदारियां, कार्यस्थल पर असुरक्षा, मातृत्व के बाद पुनः कार्यक्षेत्र में वापसी की चुनौतियां तथा पुरुष-प्रधान पेशेवर नेटवर्क जैसी बाधाएं आज भी महिलाओं के करियर विकास में बड़ी रुकावट बनी हुई हैं।बदलाव की यह आहट निस्संदेह सुखद है, किंतु वास्तविक लक्ष्य शीर्ष स्तर पर महिलाओं की हिस्सेदारी को केवल एक अनिवार्य सदस्य तक सीमित रखने के बजाय 30 से 50 प्रतिशत तक पहुंचाना होना चाहिए। यह तभी संभव है जब लैंगिक भेदभाव और सामाजिक संकीर्णताओं से ऊपर उठकर महिलाओं को समुचित अवसर और सहयोग प्रदान किया जाए। कंपनियों को महिलाओं के लिए प्रभावी मेंटरशिप और नेतृत्व विकास कार्यक्रम सुनिश्चित करने चाहिए, ताकि वे शीर्ष पदों तक निर्बाध रूप से पहुंच सकें। साथ ही, मंत्रालय को भी महिला निदेशकों की प्रगति में बाधा बनने वाले कारकों का गहन आकलन कर आवश्यक नीतिगत पहलों पर विचार करना चाहिए।इसके अतिरिक्त, महिलाओं में उच्च शिक्षा और पेशेवर दक्षता बढ़ने से भी नेतृत्व के पदों के लिए उनका दायरा विस्तृत हुआ है।बोर्डरूम में महिलाओं की उपस्थिति के लाभ भी कम नहीं हैं। महिलाएं अलग दृष्टिकोण, बेहतर जोखिम प्रबंधन क्षमता तथा नवीन समाधान लेकर आती हैं, जिससे निर्णय अधिक संतुलित और प्रभावी बनते हैं। विभिन्न शोधों के अनुसार महिला निदेशक बेहतर निगरानी, अधिक नैतिक संवेदनशीलता तथा बोर्ड की विचार-विमर्श प्रक्रियाओं को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। महिला नेतृत्व कार्यस्थल पर अधिक समावेशी वातावरण का निर्माण करता है, जिससे महिला कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है और वे लंबे समय तक संस्थान से जुड़ी रहती हैं।



कॉर्पोरेट जगत में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी भारतीय समाज और अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव का संकेत है। बोर्डरूम में उनकी उपस्थिति लगातार बढ़ रही है, लेकिन शीर्ष कार्यकारी पदों तक पहुंच के रास्ते में सामाजिक और संस्थागत चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं।परिवर्तित समय के साथ महिलाओं की भूमिका में भी खासा बदलाव आया है। कभी घर की चारदीवारी तक सीमित रहने वाली नारी आज प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही है। इसका ज्वलंत प्रमाण कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की नवीनतम रिपोर्ट है, जिसके अनुसार हाल के वर्षों में कंपनियों के शीर्ष नेतृत्व और निदेशक मंडलों (बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स) में महिलाओं की मौजूदगी तेजी से बढ़ी है। निजी हों अथवा सरकारी कंपनियां, महिलाओं की हिस्सेदारी 29 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। एकल स्वामित्व वाली कंपनियों में भी यह आंकड़ा 28 प्रतिशत है। तुलनात्मक रूप से महिला प्रतिनिधित्व के मामले में निजी कंपनियां आगे हैं। सरकारी कंपनियों में यह आंकड़ा 21 प्रतिशत, जबकि निजी कंपनियों में 30 प्रतिशत है।इस बदलाव के पीछे कानूनी अनिवार्यताओं को प्रमुख कारण माना गया है। भारत में कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत प्रत्येक सूचीबद्ध कंपनी तथा एक निश्चित टर्नओवर वाली सार्वजनिक कंपनियों के बोर्ड में कम-से-कम एक महिला निदेशक का होना अनिवार्य किया गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने भी

इस प्रावधान को कड़ाई से लागू किया है। इसके साथ ही कंपनियों का नजरिया बदलना भी एक महत्वपूर्ण कारण रहा है। अब यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जाने लगा है कि बोर्डरूम में विविधता से न केवल सामाजिक सुधार होता है, बल्कि व्यवसाय को भी लाभ पहुंचता है। निवेशकों का दबाव भी इस परिवर्तन का एक उल्लेखनीय पहलू रहा है। आज वैश्विक निवेशक उन कंपनियों में निवेश करना पसंद करते हैं जो ईएसजी (एनवायरनमेंटल, सोशल एंड गवर्नेंस) मानकों का पालन करती हैं। इन मानकों के मूल्यांकन में महिलाओं की भागीदारी एक महत्वपूर्ण पैमाना मानी जाती है। इसके अतिरिक्त, महिलाओं में उच्च शिक्षा और पेशेवर दक्षता बढ़ने से भी नेतृत्व के पदों के लिए उनका दायरा विस्तृत हुआ है।बोर्डरूम में महिलाओं की उपस्थिति के लाभ भी कम नहीं हैं। महिलाएं अलग दृष्टिकोण, बेहतर जोखिम प्रबंधन क्षमता तथा नवीन समाधान लेकर आती हैं, जिससे निर्णय अधिक संतुलित और प्रभावी बनते हैं। विभिन्न शोधों के अनुसार महिला निदेशक बेहतर निगरानी, अधिक नैतिक संवेदनशीलता तथा बोर्ड की विचार-विमर्श प्रक्रियाओं को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। महिला नेतृत्व कार्यस्थल पर अधिक समावेशी वातावरण का निर्माण करता है, जिससे महिला कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है और वे लंबे समय तक संस्थान से जुड़ी रहती हैं। इससे प्रतिभाशाली मानव संसाधन का दायरा भी बढ़ता है, जो कुशल प्रबंधन

ज्योतिष

धर्म

-धर्म- संस्कृति

अजय दीक्षित

नजरिया

अनन्या मिश्रा

आज की रात खास होगा चन्द्रमा

शरद विषुव के पास पड़ने वाली सितंबर की पूर्णिमा को हावैस्ट मून कहा जाता है, जो भारत में 26 सितंबर 2026 की रात दिखाई देगा। ऐतिहासिक रूप से फसलों की कटाई में मददगार यह पूर्णिमा आध्यात्मिक रूप से भी खास मानी जाती है। इस दिन ध्यान और साधना के जरिए आंतरिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाई जा सकती है।सितंबर की पूर्णिमा को खास माना जाता है और इसे हावैस्ट मून यानी फसल का चांद कहा जाता है। यह नाम उस पूर्णिमा के लिए इस्तेमाल होता है जो शरद ऋतु की शुरूआत के समय पड़ने वाली विषुव तिथि के सबसे करीब होती है। पुराने समय में किसान फसल काटने के लिए चांदनी का सहारा लेते थे। पूर्णिमा की तेज रोशनी से सूर्यास्त के बाद भी खेतों में काम करना आसान होता था। प्रवासीनेटवर्क जुड़ें 2026 में कब दिखेगा हावैस्ट मून?

साल 2026 का हावैस्ट मून 26 सितंबर, शनिवार को पूर्णिमा की स्थिति में होगा। द ओल्ड फार्मर्स अल्मनैक के अनुसार, अमेरिका के पूर्वी समय के हिसाब से चांद अपनी पूरी रोशनी दोपहर 12:49 बजे पर पहुंचेगा। भारत के समय के अनुसार यह समय 26 सितंबर की रात 10:19 बजे है। दिल्ली में भी पूर्णिमा का यही समय दर्ज किया गया है। इसलिए भारत में इसे 26 सितंबर की रात देखा जा सकता है। 25 सितंबर की रात भी चांद लगभग पूरा दिखाई देगा और 27 सितंबर की



रात भी यह काफी हद तक पूर्ण नजर आएगा। दिल्ली के आंकड़ों के अनुसार 25 सितंबर को चांद करीब 98.9 प्रतिशत रोशन होगा और 27 सितंबर को करीब 99.9 प्रतिशत। क्यों खास माना जाता है हावैस्ट मून? हावैस्ट मून का नाम खेती से जुड़ी पुरानी परंपरा से आया है। शरद विषुव के आसपास आने वाली पूर्णिमा कई रातों तक सूर्यास्त के कुछ समय बाद दिखाई देती है। पुराने समय में इससे किसानों को फसल काटने के लिए शाम के समय अतिरिक्त रोशनी मिलती थी। लेकिन आध्यात्मिक साधना करने वाले लोगों के लिए पूर्णिमा का महत्व केवल आसमान में दिखाई देने वाले चांद तक सीमित नहीं है। वर्ल्ड प्राणिक हीलिंग के निदेशक और

वर्ल्ड प्राणिक हीलिंग फाउंडेशन, इंडिया के ट्रस्टी श्रीराम राजगोपाल ने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया कि आध्यात्मिक साधना में पूर्णिमा के दिनों को खास महत्व दिया जाता है। पूर्णिमा को आध्यात्मिक रूप से खास क्यों माना जाता है? राजगोपाल के अनुसार, आध्यात्मिक साधना करने वाले लोग पूर्णिमा के दिन को ऐसा समय मानते हैं जब धरती पर ऊर्जा का स्तर बढ़ जाता है। ध्यान करने वाले लोग इस समय को ध्यान और दूसरी आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि साधक इस समय का इस्तेमाल आध्यात्मिक विकास, सेवा और धरती के कल्याण पर ध्यान देने के लिए कर सकते हैं।

हावैस्ट मून पर क्या करें? अगर आप किसी आध्यात्मिक साधना का पालन करते हैं तो पूर्णिमा को खुद के साथ कुछ शांत समय बिताने के मौके के तौर पर लिया जा सकता है। ध्यान, मनन और सामूहिक आध्यात्मिक साधना इस दिन की दिनचर्या का हिस्सा हो सकती है। राजगोपाल के अनुसार, कई आध्यात्मिक परंपराओं में पूर्णिमा के दिन सामूहिक ध्यान को खास महत्व दिया जाता है। साधक इस समय को उस बढ़ी हुई मानी जाने वाली ऊर्जा के साथ रचनात्मक तरीके से काम करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। क्या है दिवन हाट्स मेंडिटेशन? राजगोपाल के अनुसार, प्राणिक हीलिंग में दिवन हाट्स मेंडिटेशन का खास महत्व है। इस साधना में हृदय और सिर के ऊपरी हिस्से से जुड़े ऊर्जा केंद्रों को सक्रिय करने के बाद धरती और उसके लोगों के लिए प्रेम, शांति, दया, क्षमा, उम्मीद, विश्वास, खुशी और सद्भावना की भावना के साथ आशीर्वाद देने की प्रक्रिया शामिल है।उनके मुताबिक, नियमित अथास से शरीर को शांत करने, विचारों और भावनाओं को स्थिर करने और जागरूकता व अंदरूनी शांति बढ़ाने में मदद मिलती है। यह साधना व्यक्ति को अपनी निजी जरूरतों से आगे बढ़कर परिवार, समाज और धरती के प्रति सद्भावना रखने के लिए भी प्रेरित करती है।

पितृपक्ष कल से शुरू, जानें पहले श्राद्ध के नियम; भाद्रपद पूर्णिमा कल

आज रात 11:09 बजे शुरू होगी पूर्णिमा तिथि, 26 सितंबर रात 10:18 बजे तक रहेगी; पूर्णिमा तिथि वाले पितरों का श्राद्ध 26 सितंबर को हिंदू धर्म में पितृपक्ष को पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करने की महत्वपूर्ण अवधि माना जाता है। इस वर्ष पितृपक्ष की शुरूआत 26 सितंबर, शनिवार से होगी। पितृपक्ष के दौरान पितरों का स्मरण कर विधि-विधान से श्राद्धकर्म करने से उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। यह अवधि सर्वोपि



अमावस्या तक रहती है। 26 सितंबर को भाद्रपद पूर्णिमा आचार्य सुनील किमोटी के मुताबिक पंचांग के अनुसार, इस वर्ष भाद्रपद पूर्णिमा तिथि 25 सितंबर की रात 11:09 बजे शुरू

होगी और 26 सितंबर की रात 10:18 बजे समाप्त होगी। 25 सितंबर को चंद्रोदय शाम 5:27 बजे चतुर्दशी तिथि में होगा। ऐसे में पूर्णिमा की उदयातिथि 26 सितंबर को प्राप्त होगी। पूर्णिमा तिथि वाले पितरों का श्राद्ध पितृपक्ष की प्रतिपदा से अलग भाद्रपद पूर्णिमा के दिन किया जाता है। इसलिए इस वर्ष पूर्णिमा श्राद्ध के लिए 26 सितंबर की तिथि महत्वपूर्ण रहेगी। घर पर पहला श्राद्ध कर रहे हैं तो इन बातों का रखें ध्यान आचार्य सुनील किमोटी का कहना है कि श्राद्ध के दौरान घर और विशेष रूप से उस स्थान की साफ-सफाई का ध्यान रखना चाहिए, जहां तर्पण या अन्य श्राद्धकर्म किया जाना है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दौरान घर में शांत और सार्वकिक वातावरण रखना उचित माना जाता है। बाल, दाढ़ी और नाखून काटने से बचें:

मान्यता के अनुसार श्राद्धकर्म करने वाले व्यक्ति को श्राद्ध के दिन बाल, दाढ़ी और नाखून काटने से बचना चाहिए। पितरों की तिथि पर जल में काले तिल और अक्षत मिलाकर तर्पण करने की परंपरा है। इसके अलावा परिवार की परंपरा और धार्मिक विधि के अनुसार पिंडदान भी किया जाता है। भाद्रपद पूर्णिमा का धार्मिक महत्व धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भाद्रपद पूर्णिमा पर स्नान और दान का विशेष महत्व है। इस दिन सत्यनारायण पूजा और कथा का आयोजन भी किया जाता है। शाम को लक्ष्मी पूजा और रात में चंद्रमा को अर्घ्य देने की भी परंपरा है। पूर्णिमा के दिन पितरों का श्राद्ध करने की भी परंपरा है। मान्यता है कि श्रद्धापूर्वक किए गए श्राद्ध और तर्पण से पितरों की कृपा प्राप्त होती है और परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है।



देवी गायत्री के जन्म की कहानी थोड़ी अद्भुत और सामान्य देवियों से थोड़ा अलग है। गायत्री देवी आदि शक्ति का स्वरूप है और दिव्य चेतना के रूप में इनका प्राकट्य हुआ था। कुछ कथाओं में देवी सावित्री, देवी सरस्वती और देवी गायत्री को एक ही परम शक्ति के अलग-अलग स्वरूप बताए गए हैं। वहीं दूसरी ओर एक अन्य धार्मिक कथा के मुताबिक देवी गायत्री का संबंध सूर्य देव से हैं। देवी गायत्री को सूर्य मंडल के मध्य स्थित दिव्य चेतना या फिर शक्ति के रूप में पूजा जाता है। यज्ञ से जुड़ी कथा एक लोकप्रिय कथा के मुताबिक ब्रह्माजी को एक यज्ञ करना था। लेकिन यज्ञ में ब्रह्माजी की पत्नी सावित्री समय से नहीं पहुंचीं। वहीं यज्ञ की पूर्णता के लिए एक योग्य स्त्री की जरूरत हुई, तब एक दिव्य शक्ति का प्राकट्य हुआ, जिसको गायत्री कहा गया और ब्रह्मा जी ने देवी गायत्री से विवाह करके उस यज्ञ को पूर्ण किया। क्यों कहा जाता है 'वेदमाता' माना जाता है कि सभी ग्रंथों, वेदों और मंत्रों की उत्पत्ति देवी गायत्री से हुई है। मां गायत्री के अंदर चारों वेदों का ज्ञान है, इस कारण उनको वेदमाता भी कहा जाता है। देवी गायत्री की पूजा सिर्फ आम मनुष्य ही नहीं बल्कि देवता भी करते हैं। इसलिए मां गायत्री को सिर्फ देवी नहीं बल्कि ज्ञान, चेतना, विवेक और आध्यात्मिक प्रकाश की शक्ति के रूप में भी देखा जाता है।



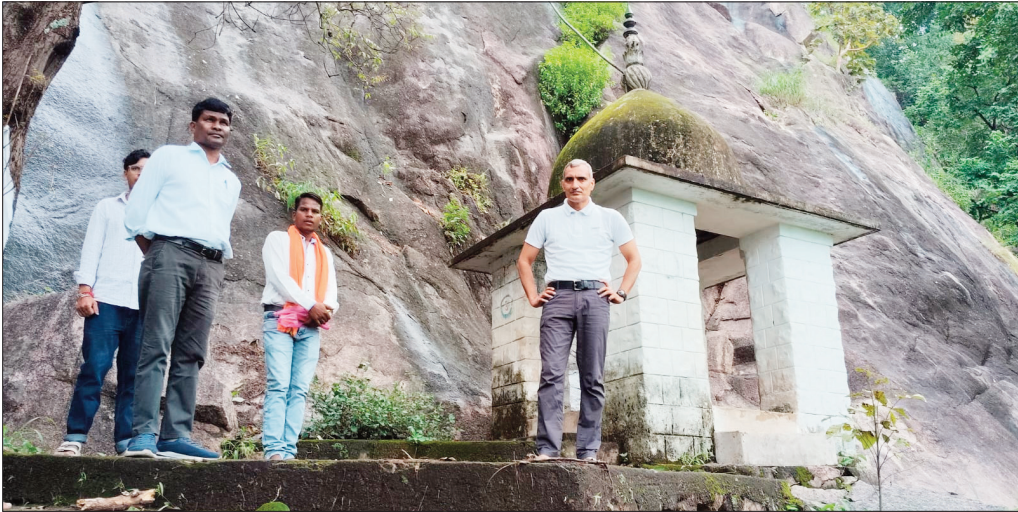


# बाढ़ आपदा पर एक्शन में जिला प्रशासन - गरियाबंद कलेक्टर रणबीर शर्मा

## मैनपुर क्षेत्र के दुरस्थ वनांचलों में पहुंचकर अधिकारियों को दिया सख्त निर्देश

प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल पैरी उद्गम भाठीगढ़ मे सैकड़ो सीढ़ियों को चढ़कर पैरी माता के मंदिर पहुंचे आदिवासी बालक आश्रम का निरीक्षण कर छात्रो से किया सीधा संवाद

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। गरियाबंद जिले में हुई मूसलाधार बारिश के बाद आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है बाढ़ आपदा की स्थिति का ग्राउंड जीरो पर जायजा लेने के लिए गरियाबंद कलेक्टर रणबीर शर्मा आज शनिवार को अचानक मैनपुर विकासखंड के विभिन्न ग्रामीण इलाकों का दौरा कर जायजा लिया उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों ग्रामीणों से सीधी बातचीत की और उनका हाल-चाल जाना। कलेक्टर रणबीर शर्मा दुरस्थ वनांचल दबनई, फरसरा, छिन्दीला, सलहेभाट, भाठीगढ़, हरदीभाठा एवं अनेक ग्रामो का अचानक निरीक्षण के दौरान कलेक्टर



ने बाढ़ से हुई क्षति, जलभराव और आवागमन की समस्याओं की समीक्षा किया उन्होंने मौके पर मौजूद एसडीएम और तहसीलदार को सख्त निर्देश दिए कि क्षेत्र में हुए फसल नुकसान, मकानों की क्षति और अन्य जन-धन के नुकसान का तत्काल आंकलन (सर्वे) किया जाए, ताकि प्रभावित ग्रामीणों को जल्द से जल्द शासन के नियमानुसार मुआवजा राशि

वितरित की जा सके। उन्होंने राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के साथ-साथ जलभराव वाले क्षेत्रों में सक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं क्षेत्र में प्रशासनिक मुस्तेदी को देखकर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

पैरी उद्गम पहाड़ी पर चढ़कर मंदिर तक पहुंचे कलेक्टर

क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक व प्राकृतिक पर्यटन स्थल पैरी उद्गम का दौरा किया कलेक्टर ने पहाड़ियों पर बनी सीढ़ियों के जरिए ऊपर पहाड़ी के उपर पहुंच पैरी मंदिर में दर्शन किया और स्थल का जायजा लिया। इस दौरान क्षेत्र के भाठीगढ़ राज के प्रमुख हरिशचंद नेगी, आदिवासी समाज के वरिष्ठ खेदु नेगी, ग्राम पंचायत भाठीगढ़ के सरपंच पुष्पा नेगी, पूर्व

कलेक्टर नेगी, ग्राम पंचायत भाठीगढ़ के सरपंच पुष्पा नेगी, पूर्व



जनपद सदस्य डाकेश्वर नेगी, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष रामदास वैष्णव व क्षेत्र के लोगो ने कलेक्टर को बताया कि यह पैरी उद्गम क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल है कलेक्टर रणबीर शर्मा ने ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन इस पवित्र और प्राकृतिक स्थल को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। आदिवासी बालक आश्रम का जायजा लेकर छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद किया - भाठीगढ़ स्थित आदिवासी बालक आश्रम का कलेक्टर ने औचक निरीक्षण किया बातचीत के दौरान कलेक्टर ने बच्चों से पढ़ाई और उनके ज्ञान को परखने के लिए कई प्रश्न पूछे छात्र-छात्राओं ने पूरी आत्मियता और आत्मविश्वास के साथ प्रश्नों के बेहद सटीक व बेहतरीन जवाब दिए बच्चों की प्रतिभा और कुशग्र बुद्धि से कलेक्टर काफी प्रभावित नजर आए उन्होंने न केवल बच्चों की सराहना की, बल्कि स्वयं आगे बढ़कर उनसे हाथ मिलाया और उनका उत्साहवर्धन किया।

## बारिश के बीच स्कूलों में एक स्वर में गूंजा ‘वंदे मातरम्’, छात्रों, शिक्षकों और प्रधानाचार्यों ने किया सामूहिक गायन

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। गरियाबंद में बारिश के बीच शुक्रवार को विद्यालय राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगे नजर आए। ‘नमामि भारतम्’ अभियान के तहत ‘वंदे मातरम्’ के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सामूहिक गायन का आयोजन किया गया। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली के आह्वान पर आयोजित ‘नमामि भारतम्’ कार्यक्रम के अंतर्गत नगर के विभिन्न विद्यालयों में ‘वंदे मातरम्’ का सामूहिक गायन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों और प्रधानाचार्यों ने एक समय, एक लय और एक स्वर में राष्ट्रगीत का गायन कर देशप्रेम और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

गरियाबंद नगर के सरस्वती शिशु मंदिर, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विशेष आयोजन किए गए। सुबह 11 बजे आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं शिक्षक अनुशासित पंक्तियों में खड़े हुए और सामूहिक रूप से ‘वंदे मातरम्’ का गायन किया। बारिश के बावजूद विद्यार्थियों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखाई दी। जैसे ही विद्यालय परिसर में एक साथ ‘वंदे मातरम्’ के स्वर गूंजे, पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो उठा। विद्यार्थियों के चेहरों पर उत्साह और देश के प्रति गर्व की भावना स्पष्ट दिखाई दी। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय में मुख्य अतिथि अधिवक्ता प्रशांत मानिकपुरी, मुख्य वक्ता पून सिंह, अध्यक्षता प्राचार्य आई.पी. साहू थे, वहीं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मुख्य अतिथि राधेश्याम सोनवानी, मुख्य अतिथि प्रकाश निर्मलकर और अध्यक्षता प्राचार्य अलका दानी ने किया।



राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता का दिया संदेश- कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को देश की गौरवशाली परंपरा, राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का माध्यम हैं। ‘वंदे मातरम्’ केवल एक गीत नहीं, बल्कि देश के प्रति सम्मान और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना का प्रतीक है। सामूहिक गायन के माध्यम से विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय चेतना और एकता की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता ताकेश्वरी साहू ने कहा कि ‘वंदे मातरम्’ भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रीय चेतना जगाने वाला महत्वपूर्ण प्रेरणास्रोत रहा है। इसके माध्यम से देशभक्ति, मातृभूमि के प्रति सम्मान और राष्ट्रीय गौरव की भावना को अभिव्यक्ति मिली। उन्होंने विद्यार्थियों से देश के इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को समझने तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम को सत्यप्रकाश मानिकपुरी और अधिवक्ता लोकनाथ साहू ने भी संबोधित करते हुए कहा कि कार्यक्रम में एक साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने ‘वंदे मातरम्’ का गायन किया, इससे विशेष ऊर्जा और गर्व की अनुभूति हुई। सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत गाने का अनुभव न केवल उत्साहपूर्ण रहा, बल्कि इससे विद्यालय परिसर में एकता और अनुशासन की भावना भी मजबूत हुई।

-तीन प्रमुख उद्देश्यों पर केंद्रित रहा आयोजन- ‘वंदे मातरम्’ के सामूहिक गायन के आयोजन के प्रमुख उद्देश्यों में राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक विरासत और सामूहिक चेतना को बढ़ावा देना शामिल रहा। राष्ट्रभक्ति जागृत करना: नई पीढ़ी में देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना को मजबूत करना। सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना: ‘वंदे मातरम्’ के ऐतिहासिक महत्व और स्वतंत्रता आंदोलन में इसकी भूमिका से विद्यार्थियों को परिचित कराना। सामूहिक चेतना विकसित करना: एक साथ, एक स्वर में गायन के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, सामूहिकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना विकसित करना। बारिश के बीच विद्यालयों में गूंजे ‘वंदे मातरम्’ के स्वर ने पूरे वातावरण को देशभक्ति से भर दिया और ‘नमामि भारतम्’ कार्यक्रम ने विद्यार्थियों के बीच राष्ट्रप्रेम, एकता और सांस्कृतिक गौरव का संदेश दिया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव, उपाध्यक्ष आसिफ मेमन, पूर्व पालिका अध्यक्ष मिलेश्वरी साहू, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष बिंदु सिन्हा, एल्डरमैन रितेश यादव, सेवक निषाद, पार्षद रेणुका साहू, पुष्पा साहू, मंजरी गुप्ता, माही यादव, सविता साहू, प्राचार्य चैनसिंह बघेल सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

## बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का विधायक और कलेक्टर ने लिया जायजा



राहत-बचाव की तैयारियों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले में लगातार हो रही बारिश और नदियों के बढ़ते जलस्तर के बीच बाढ़ के हालात का जायजा लेने प्रशासनिक अमला प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचा। राजिम क्षेत्र में विधायक रोहित साहू ने नगर पालिका अध्यक्ष मरेश यादव, एसडीएम विशाल महाराणा, तहसीलदार डिम्पल

ध्रुव, सीएमओ संतोष विशर्मा, राजस्व निराक्षक दिलीप बांधे, पटवारी कोमल वर्मा, अजय बघेल प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पार्षदगण आकाश राजपूत, तुषार कदम, बलराम निषाद, भरत यादव,उत्तम निषाद, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि नेहरू साहू, उपाध्यक्ष सतीश यादव, राजू साहू बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और मौके पर पहुंचकर जलभराव एवं बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण किया विधायक ने राहत एवं बचाव कार्य के लिए प्रशासन द्वारा की गई वैकल्पिक और

आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावित लोगों तक जरूरत के अनुसार तत्काल सहायता पहुंचाई जाए तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम तैयार रखें। उन्होंने लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील भी की।इधर, गरियाबंद कलेक्टर रणवीर शर्मा ने मैनपुर क्षेत्र का दौरा कर बारिश और बाढ़ से प्रभावित इलाकों का जायजा

## सौर सुजला योजना बनी किसान हरण सिंह के लिए वरदान

बिलासपुर। मस्तूरी विकासखंड के ग्राम जुहली निवासी किसान हरण सिंह के लिए शासन की सौर सुजला योजना खेती-किसानी के लिए वरदान बन गई है। कभी सिंचाई के लिए बारिश पर निर्भर रहने वाले हरण सिंह अब सोलर पंप की मदद से रबी और खरीफ दोनों मौसम में फसलों का उत्पादन कर रहे हैं और खेती से अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं। हरण सिंह ने बताया कि पहले खेती के लिए उन्हें बारिश का इंतजार करना पड़ता था। सिंचाई की पर्याप्त सुविधा नहीं होने के कारण खेती करना चुनौतीपूर्ण था। शासन की सौर सुजला योजना के तहत अनुदान सहायता का लाभ लेकर उन्होंने अपने खेत में सोलर पंप स्थापित करवाया। इसके साथ ही कृषि कार्य के लिए सिंचाई पाइप भी खरीदा। सोलर पंप स्थापित होने के बाद अब सिंचाई के लिए उन्हें न तो बारिश पर निर्भर रहना

पड़ता है और न ही बिजली का इंतजार करना पड़ता है। सौर ऊर्जा से संचालित पंप के माध्यम से खेतों में जरूरत के अनुसार सिंचाई हो रही है। इससे उनकी खेती का दायरा बढ़ा है और वे अब रबी एवं खरीफ दोनों फसलों का उत्पादन कर पा रहे हैं।

सौर सुजला योजना ऐसे किसानों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रही है, जिन्हें सिंचाई के लिए बिजली की उपलब्धता की समस्या का सामना करना पड़ता है। सोलर पंप के माध्यम से किसानों को सिंचाई का वैकल्पिक और सुविधाजनक साधन मिल रहा है। इसके अलावा हरण सिंह को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ भी मिल रहा है। सम्मान निधि से प्राप्त राशि खेती-किसानी से जुड़े आवश्यक खर्चों में उनके लिए आर्थिक सहारा बन रही है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता

लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 22.09.2026

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 07.10.2026 तक आमंत्रित की जाती है:-

| निविदा आमंत्रण सू.क्र. / सि.क्र. | कार्य का नाम                                                                                                                                                                       | अनुमानित लागत (राशि लाख में) | आमंत्रण |
|----------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------|---------|
| 329 / 1999860                    | जिला जेल कबीरखाम में वॉच टॉवर का निर्माण कार्य ।                                                                                                                                   | 10.54                        | द्वितीय |
| 330 / 1999861                    | लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग क्र. 03 दुर्ग के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में साधारण मरम्मत कार्य (जोनल एजेंसी)                                                              | 20.00                        | द्वितीय |
| 331 / 1999862                    | लोक निर्माण विभाग, संभाग बालोद के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में एम.ओ.डब्ल्यू का कार्य (जोनल एजेंसी)                                                                      | 25.00                        | तृतीय   |
| 332 / 1999863                    | लोक निर्माण विभाग, संभाग बालोद विभिन्न राज्य मार्गों जंक्शन सुधार कार्य                                                                                                            | 77.93                        | तृतीय   |
| 333 / 1999864                    | राजनान्दाव कर्क्या पौडी मार्ग कि.मी. 46 / 6 से 62 तक कुल लं. 16.60 कि.मी. में क्षतिग्रस्त मार्ग का सुधार कार्य (संभारण अवधि के अंतर्गत एजेंसी के दायित्व पर मार्ग का संभारण कार्य) | 25.00                        | तृतीय   |
| 334 / 1999865                    | उपसंभाग खैरागढ़ के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में इमल्शन सहित डब्ल्यू.एम.एम. एवं डी.टी.पेंच रिपेयर कार्य (जोनल एजेंसी)                                                                | 25.00                        | चतुर्थ  |
| 335 / 1999866                    | खैरागढ़ ब्लॉक के घोघेडबरी से पिचोला मार्ग कि.मी. 1/2 से 1/6 (100), 1/10 से 2/22/6 कुल लंबाई 1.00 कि.मी. में विशेष मरम्मत कार्य                                                     | 11.97                        | पंचम    |

टीप-

1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा को सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञापित, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट <http://eproc.cgstate.gov.in> से डाउनलोड की जा सकती है ।

2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

अधीक्षण अभियंता

लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग

जी-262703534/1

लिया। कलेक्टर पैरी नदी के उद्गम स्थल तक पहुंचे और वहां की स्थिति का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आदिवासी अंचलों में संचालित छात्रावासों का भी निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली।कलेक्टर ने अधिकारियों से राहत, बचाव और सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फिलहाल जिले में स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन प्रशासन की टीमें लगातार प्रभावित क्षेत्रों पर नजर बनाए हुए हैं। आवश्यकता पड़ने पर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

विधायक रोहित साहू ने कहा कि राजिम क्षेत्र में 30 साल बाद बाढ़ की ऐसी स्थिति निर्मित हुई है। उन्होंने लोगों से नदी-नालों, जलभराव वाले क्षेत्रों और अन्य जोखिम वाले स्थानों से दूर रहने तथा प्रशासन की ओर से जारी अपील और निर्देशों का पालन करने की अपील की है। प्रशासनिक अमला लगातार प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी कर रहा है।

## 42 हितग्राहियों को मिला पीएम आवास योजना का स्वीकृति पत्र

महासमुंद्र। नगर पालिका परिषद द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहर के विभिन्न वार्डों के पात्र हितग्राहियों को आवास स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने अध्यक्ष कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र प्रदान करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

अध्यक्ष साहू ने बताया कि अब तक 16 लगानी भूमि और 26 आबादी भूमि के हितग्राहियों सहित कुल 42 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृति पत्र दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्र में कोई भी पात्र परिवार कच्चे मकान में न रहे और प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को पक्का मकान उपलब्ध हो, यही नगर पालिका का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि नगर के सभी वार्डों में सर्वे कराया गया है। सर्वे में सामने आए पात्र हितग्राहियों में से जो लोग अभी योजना के लाभ से वंचित हैं, उन्हें भी प्राथमिकता के आधार पर योजना से जोड़ा जाएगा। उन्होंने हितग्राहियों से कहा कि स्वीकृति पत्र उनके सपनों के पक्के मकान की पहली सीढ़ी है। नगर पालिका पात्रता के अनुसार उन्हें योजना का लाभ दिलाने के लिए हरसंभव सहयोग करेगी।

इन हितग्राहियों को मिला स्वीकृति पत्र नगर पालिका के अनुसार स्वीकृति पत्र प्राप्त करने वाले 42 हितग्राहियों में सूर्या, ललिता टंडन, संतोष यादव, गौरी, हिराऊ राम रात्रे, सीमा साहू, जयप्रकाश चंद्राकर, जगदीश साहू, शांति बाई यादव, सुरेश कुमार पटेल, अश्वनी साहू, कांता बाई कापसे, इंद्रा सोनी, नीरा बाई चंद्राकर, कमली प्रजापति, बलबीर सिंह रामगढ़िया, रमेश रात्रे, मुन्ना लाल साहू, मुकेश्वरी बाई साहू, देव कुंवर साहू, पूजा रात्रे, परमानंद पटेल, ओहित पटेल, गोपाल सोनी, राधा बाई वैष्णव, टिकेश्वर नामदेव, दशोदा, बिंदा चंद्राकर, राजेश पटेल, लक्ष्मी, पूनम, खैरूननीशा खान, गणेशिया बाई चंद्राकर, इंदा बाई, उमेश राम सोनी, लता बाई, शत्रुघ्न धीवर, परमिला, सीता भार्गव, दिलेश्वर निषाद, प्रीतम निषाद और जगत राम शामिल हैं।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) कोरबा (छ०ग०)

कलेक्ट्रेट परिसर प्रथम तल, email id- miningkorba@gmail.com

क्रमांक/1011/रेत/ ई-निविदा/च.च./03 ब्लॉक / 2026

कोरबा, दिनांक 22/09/2026

रेत खदानों के आबंटन हेतु नीलामी सूचना

1. निविदा क्रमांक-01 MSTC/RPR/Chhattisgarh/Korba Tender/2/26-27/33626

2. निविदा क्रमांक-02 MSTC/RPR/Chhattisgarh/ Korba Tender/3/26-27/33629

3. निविदा क्रमांक-03- MSTC/RPR/Chhattisgarh/ Korba Tender/4/26-27/33631

सर्वसाधारण की जानकारी के लिये यह प्रकाशित किया जाता है कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला कोरबा (छत्तीसगढ़) द्वारा छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम, 2025 के नियम 7 अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) के माध्यम से चतुर्थ चरण में 1. ग्राम कुम्भुरा तहसील भैरमा 2. ग्राम चारपारा तहसील दर्री 3. ग्राम मिलाईखुर्द तहसील कोरबा में उत्खनन पट्टा आबंटन किया जाना है। जिस हेतु अर्हता प्राप्त इच्छुक बोलीदार इलेक्ट्रॉनिक-नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) में भाग ले सकता है। इलेक्ट्रॉनिक नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) हेतु बोली प्रारंभ करने की आरंभिक तिथि 21.10.2026 (सुबह 10.00 बजे से) तथा अंतिम तिथि 27.10.2026 (शाम 05.00 बजे तक) है।

इच्छुक बोलीदार खदानों का आबंटन हेतु इलेक्ट्रॉनिक नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) की के वेबसाइट नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी एमएसटीसी <https://www.mstcecommerce.com/auction-home/mmb/sandcg/index.jsp>, जिले के वेबसाइट <https://korba.gov.in> एवं <https://chhattisgarhmines.gov.in/> तथा कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) कोरबा एवं संबंधित ग्राम पंचायत/जनपद / जिला पंचायत भवन के सूचना पटल से प्राप्त कर सकता है।

बोली में भाग लेने हेतु इच्छुक बोलीदार निम्न लिंक का उपयोग कर सकते है एमएसटीसी लिंक <https://www.mstcecommerce.com/auctionhome/mmb/sandcg/index.jsp>

कलेक्टर

जिला कोरबा (छ.ग.)

जी- 262703546/2

कार्यालय प्राचार्य, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय मनोरा, जशपुर, (छ.ग.)

क्रमांक / 222 / एकलव्य / आ.जा.क./ 2026-27/ मनोरा, दिनांक 18.09.2026

प्राचार्य, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय मनोरा, जिला-जशपुर (छ.ग.) (वर्तमान संचालित आरा) की ओर से इच्छुक उत्पादक/अधिकृत विक्रेताओं द्वारा वर्ष 2026-2027 में विद्यालय में लगने वाले दूध एवं डेयरी उत्पाद तथा मांसाहार सामग्री क्रय हेतु दर निर्धारित किये जाने के लिए, द्वितीय निविदा मोहर बंद निविदायें आमंत्रित की गई है, निविदा हेतु निर्धारित समय-सारिणी निम्नानुसार है:-

निविदा प्रपत्र बिक्री करने की तिथि - 21.09.2026 समय प्रातः 11:00 बजे से।

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 05.10.2026 दोपहर 03 बजे तक।

निविदा खोलने की तिथि - 08.10.2026 समय पूर्वाह्न 11.00 बजे ।

उपर्युक्त निविदा के सम्पूर्ण आईटम (सामग्री की सूची) विस्तृत नियम एवं शर्तें कार्यालय के सूचना पटल तथा जिले की वेबसाइट <http://Jashpur.nic.in> में अवलोकन किया जा सकता है।

(PASC द्वारा अनुमोदित)

प्राचार्य,

एकलव्य आदर्श साजी विद्यालय मनोरा, जशपुर, (छ.ग.)

जी- 262703505/1



# भारतीय टीम को न्यूजीलैंड दौरे से पहले लगा बड़ा झटका, हार्दिक पांड्या चोटिल होने की वजह से हुए बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम को अक्टूबर महीने में न्यूजीलैंड के दौरे पर रवाना होना है, जिसको लेकर अभी स्ववाद का ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन उससे पहले टीम इंडिया को एक बड़ा झटका स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी हार्दिक पांड्या के रूप में लगा है जो चोटिल होने की वजह से पहले ही बाहर हो गए हैं। हार्दिक पांड्या जिन्होंने अपना पिछला इंटरनेशनल मुकाबला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मैच के रूप में खेला था, उसके बाद से वह वापसी करने में कामयाब नहीं हो सके हैं। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के दौरे पर 5 टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज के अलावा दो टेस्ट मैचों की सीरीज भी खेलने है, जिसमें दौरे की शुरुआत 22 अक्टूबर से टी20 सीरीज के साथ होगी।



हार्दिक पांड्या को बीसीसीआई की तरफ से ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ अनऑफिशियल वन-डे सीरीज के लिए चुना गया था, लेकिन न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार पैर की हड्डी में चोट के कारण के कारण इससे भी बाहर हो गए हैं। पांड्या के दाहिने पैर की हड्डी में चोट लगी है और इस वजह से उन्हें तीन हफ्ते के लिए कॉम्पिटिटिव

क्रिकेट से दूर रहना होगा। भारतीय टीम को अभी वेस्टइंडीज के खिलाफ घर पर तीन वनडे और पांच टी20 मैच की सीरीज खेलनी है और उसके बाद उनको न्यूजीलैंड के दौरे पर रवाना होना है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने PTI को हार्दिक पांड्या की फिटनेस को लेकर दी जानकारी में बताया कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन हार्दिक की हालिया स्कैन रिपोर्ट में उनके

दाहिने पैर की हड्डी में चोट का पता चला है। उन्हें दो हफ्ते तक पूरी तरह आराम करने की सलाह दी गई है। BCCI के मेडिकल पैनल के प्रमुख डॉ. दिनशा पारदीवाला ने उनकी रिपोर्ट देखी है और जापान से लौटने के बाद वह उनकी जांच करेंगे और तय करेंगे कि हार्दिक अपना रिहैबिलिटेशन कब शुरू कर सकते हैं। टीम इंडिया ने सितंबर महीने की शुरुआत में अफगानिस्तान के खिलाफ घर पर तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली थी, जिसमें हार्दिक की वापसी को लेकर उम्मीद जताई जा रही थी और एशियन गेम्स में भी उनका जाना लगभग तय था, लेकिन सीरीज से ठीक पहले फील्डिंग अभ्यास के दौरान उनके घुटने में दर्द उठने की वजह से वह फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर सके और फिर बाहर हो गए थे।

## भारतीय टीम की एशियन गेम्स के क्वार्टर फाइनल में होगी अफगानिस्तान से भिड़ंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान के आइची नागोया में चल रहे एशियन गेम्स 2026 में पुरुष क्रिकेट इवेंट की शुरुआत हो चुकी है, जिसमें अभी ग्रुप स्टेज के मैच खेले जा रहे हैं। वहीं भारतीय टीम अपना पहला मैच 28 सितंबर को क्वार्टर फाइनल मुकाबले के तौर पर खेलेगी, जिसमें उसका सामना किस टीम से होगा इसका फैसला हो गया है। भारतीय टीम को क्वार्टर फाइनल मैच में ग्रुप-ए दूसरे नंबर पर रहने वाली टीम का सामना करना था, जिसमें अब यह तय हो गया और अफगानिस्तान की टीम से उनकी भिड़ंत होगी। अफगानिस्तान ने ग्रुप-ए में दो मुकाबले खेले जिसमें से एक को वह जीतने में कामयाब रहे तो वहीं एक में उनको हार का सामना करना पड़ा। भारत और अफगानिस्तान की टीम के बीच में क्वार्टर फाइनल मैच में 28 सितंबर को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे से खेला जाएगा। भारतीय टीम की नजरें गोल्ड मेडल जीतने पर श्रेयस अय्यर की कप्तानी में एशियन गेम्स में हिस्सा लेने पहुंची भारतीय टीम वहां काफी पहले ही पहुंच गई थी, जिससे परिस्थितियों के हिसाब से खुद को ढाला जा सके। टीम इंडिया ने मेजबान जापान के खिलाफ भी एक टी20 मुकाबला खेला लेकिन बारिश के खलल की वजह से वह 5-5 ओवर्स का हुआ था, जिसको टीम इंडिया ने अपने नाम किया था। वहीं अब एशियन गेम्स 2026 में भारतीय क्रिकेट टीम अपने अभियान का आगाज 28 सितंबर को सीधे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अफगानिस्तान के खिलाफ करेगी। टीम इंडिया पिछली बार एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने में कामयाब रही थी और इस बार भी उनकी नजरें इसी प्रदर्शन को दोहराने पर रहने वाली हैं। वहीं अफगानिस्तान को लेकर बात की जाए तो ग्रुप-ए में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा जिसमें नेपाल की टीम के खिलाफ मैच में उनको 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

मुंबई (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के सराफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमतें 200 रुपये की मामूली बढ़त के साथ 1,52,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। इसके साथ ही, सोने की कीमतों में लगातार 4 सत्रों से जारी गिरावट का सिलसिला भी थम गया। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और डॉलर के नरम पड़ने से निवेशकों को उत्तार-चढ़ाव भरे सप्ताह के बाद कुछ राहत मिली। शनिवार और रविवार को सराफा बाजार बंद रहते हैं। एक हफ्ते में 10,000 रुपये सस्ती हुई चांदी सराफा कारोबारियों ने बताया कि 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना गुरुवार को 1,52,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, चांदी की कीमत 2.37 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही। व्यापारियों ने बताया कि निवेशकों ने निचले स्तर पर खरीदारी से लगातार चार सत्रों की गिरावट के बाद



## एथर ने दिल्ली में लॉन्च किया नया इलेक्ट्रिक स्कूटर कोनार्क साथ मिलेंगे AeBS, मैजिक-की, एयरवॉक जैसे कई फीचर्स



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की प्रमुख इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी एथर एनर्जी ने दिल्ली में अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर, कोनार्क लॉन्च किया। एथर के नए EL प्लेटफॉर्म पर आधारित इस नए स्कूटर कोनार्क को रोजमर्रा की राइडिंग को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कोनार्क S और Z ग्रेडवट लाइन के तहत 6 वेरिएंट्स में उपलब्ध है, जिनमें 200 किमी तक की IDC रेंज मिलता है। एथर ने अपने नए स्कूटर की शुरुआती कीमत ₹79,999 तय की है। कोनार्क का सर्विस इंटरवल 10,000

किमी या लगभग 1 साल (जो भी पहले हो) होगा, जो ज्यादा राइडर्स के लिए काफी सुविधाजनक है। कोनार्क के सभी वेरिएंट एथर की पांचवीं जनरेशन की बेडरॉक बैटरी से लैस हैं। स्कूटर के साथ 70% हेल्थ गारंटी के साथ 10 साल या 1,00,000 किमी (जो भी पहले हो) की एक्सटेंडेड बैटरी वॉरंटी भी ऑफर किया जा रहा है। इस स्कूटर में रोजमर्रा की राइडिंग को ध्यान में रखकर कई शानदार तकनीक और फीचर्स दिए गए हैं, जिनमें नया एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकिंग सिस्टम (AeBS), मैजिक-की,

ऑटोपॉप और एयरवॉक शामिल हैं। एथर का इन-हाउस तैयार किया गया एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकिंग सिस्टम (AeBS) सड़क की स्थिति के आधार पर आगे और पीछे के पहियों के बीच ब्रेकिंग फोर्स को अपने आप एडजस्ट करता है। साथ ही, ब्रेकिंग परफॉर्मेंस और स्थिरता बढ़ाने के लिए ये रिजेनरेटिव ब्रेकिंग का भी इस्तेमाल करता है। मैजिक-की की मदद से स्मार्टवेक, ऑटोमैटिक लॉकिंग और रिमोट स्कूटर लोकेशन जैसे फीचर्स के साथ कोलेस (बिना चाबी के) एक्सपीरियंस मिलता है। ऑटोपॉप फीचर सीट के नीचे दिए गए स्टोरेज को आसानी से बिना हाथ लगाए खोलने की सुविधा देता है। वहीं, एयरवॉक तंग पार्किंग की जगह में स्कूटर को मैन्युअली खिसकाने के लिए हल्के मोटर टॉर्क का इस्तेमाल करता है, जिससे स्कूटर पार्क करना आसान हो जाता है। कोनार्क इंटीग्रेटेड ऑनबोर्ड चार्जर और चार्जिंग केबल के साथ आता है।

## मुंबई में 6.2% और दिल्ली में 3.9% बढ़ी प्रॉपर्टी की कीमतें 50.7% की बंपर बढ़ोतरी के साथ पहले स्थान पर रहा ये शहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रमुख हाउसिंग प्रॉपर्टी की कीमतों में जून तिमाही में सालाना आधार पर 6.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ मुंबई, दुनिया के 46 शहरों में 8वें स्थान पर रहा। रियल एस्टेट कंसल्टेंट कंपनी नाइट फ्रैंक इंडिया ने दुनियाभर के प्रमुख शहरों के आंकड़े जारी किए हैं। चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में दुनिया में प्रमुख हाउसिंग प्रॉपर्टी की कीमतों में सालाना औसतन 2.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। कुल 46 शहरों में से 32 में सालाना आधार पर हाउसिंग प्रॉपर्टी की कीमतें बढ़ी हैं। दिल्ली से आगे रहा बेंगलुरु नाइट फ्रैंक इंडिया के अनुसार, बेंगलुरु में इस दौरान प्रॉपर्टी की कीमतों में 4.5 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी हुई और ये दुनिया के टॉप 46 शहरों में 12वें स्थान पर रहा। इस लिस्ट में देश की राजधानी दिल्ली 17वें स्थान पर रही। जून तिमाही में दिल्ली में प्रॉपर्टी की कीमतों में सालाना आधार पर 3.9 प्रतिशत की ही

# भारतीय महिला कबड्डी टीम ने रचा इतिहास, एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल पर किया कब्जा; ईरान को दी मात

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 में भारत के खाते में तीसरा गोल्ड मेडल महिला कबड्डी के इवेंट में आया है, जिसमें भारतीय महिला कबड्डी टीम ने ईरान के खिलाफ गोल्ड मेडल मैच को 37-34 के अंतर से अपने नाम करने के साथ इतिहास रच दिया है। इस मैच में दोनों टीमों के बीच में काफी कड़ी टक्कर देखने को मिली। इस मैच के पहले हाफ से ही भारतीय टीम ने अपनी बढ़त को बनाकर रखा हुआ था, जिसमें वह मुकाबले में ईरान की टीम को दो बार ऑल आउट करने में भी कामयाब रही। वहीं एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला कबड्डी टीम का ग्रुप स्टेज से लेकर गोल्ड मेडल मैच तक विजयी अभियान देखने को मिला। भारतीय महिला कबड्डी टीम एशियन गेम्स 2026 का आगाज होने से पहले ही गोल्ड



जीतने की प्रबल दावेदार मानी जा रही थी, जिसमें उनका प्रदर्शन भी शानदार देखने को मिला जो गोल्ड मेडल मुकाबले तक जारी रहा। ग्रुप स्टेज में जहां भारतीय महिला कबड्डी टीम का एकतरफा प्रदर्शन देखने को मिला तो वहीं सेमीफाइनल मैच को भी उन्होंने एकतरफा अंदाज

में अपने नाम किया था। गोल्ड मेडल मैच में भारतीय टीम को ईरान से कड़ी टक्कर भी मिली जिसमें पहले हाफ में एक समय स्कोर 7-7 की बराबरी पर था, जिसके बाद भारतीय टीम अपने खेल को और अधिक आक्रामक करने के साथ पहला हाफ खत्म होने पर ईरान को एकबार ऑल

आउट करने के साथ 22-16 के अंतर से बढ़त बना ली थी। गोल्ड मेडल मैच का दूसरा हाफ काफी रोमांचक रहा जिसमें ईरान की टीम ने जबरदस्त तरीके से वापसी करने के साथ भारतीय टीम को ऑल आउट भी कर दिया था, जिससे बढ़त काफी कम हो गई।

## "चाहे इसके लिए कुछ भी करता पड़े, मकसद वर्ल्ड कप जीतना"; कोहली ने खुद से किए वादे का किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने टीम इंडिया के मौजूदा कप्तान शुभमन गिल की जमकर तारीफ करने के साथ अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप को लेकर भी बड़ा बयान दिया है। कोहली जिनको लेकर पहले ऐसी संभावना जताई जा रही थी कि वह वनडे से भी वर्ल्ड कप से पहले रिटायरमेंट का ऐलान कर देंगे उन्होंने अब अपने इस बयान से साफ कर दिया कि वह टूर्नामेंट में खेलने को लेकर अपनी तैयारियों को पूरी तरह से पुख्ता कर रहे हैं। वहीं कोहली ने खुद से किए एक वादे का भी अपने इस बयान में खुलासा किया जिसमें उन्होंने कहा कि उनका एक ही लक्ष्य है और वह वर्ल्ड कप को जीतना। मेरा मकसद वर्ल्ड कप जीतना चाहे इसके लिए कुछ भी करना पड़े विराट कोहली जो वेस्टइंडीज के खिलाफ 27 सितंबर से शुरू होने वाली

तीन मैचों की वनडे सीरीज में खेलते हुए दिखने वाले हैं, उन्होंने जियो हॉटस्टार पर दिए इंटरव्यू में अगले साल वनडे वर्ल्ड कप को लेकर साफ कहा कि यह भारत के लिए मेरा आखिरी वर्ल्ड कप होगा और मेरा मकसद इसे जीतना है जिसमें इसके लिए चाहे इसके लिए कुछ भी करना पड़े। वहीं कोहली ने टेस्ट और टी20 से रिटायरमेंट के बाद अपने खेल में बदलाव को लेकर कहा कि पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि जो सबसे अहम बदलाव आया है, वह यह है कि मैंने खुद से वादा किया है कि मैं और अधिक खुलकर खेलूंगा। लोगों की मुझे क्या उम्मीदें हैं मैं उनकी चिंता नहीं करूंगा। लंबे समय से मेरी भूमिका यही रही है कि मैं चीजों को स्थिर बनाए रखूं। मुझे पता है कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं। मैं जानता हूं कि मैं शांत लगा सकता हूं, लेकिन परिस्थितियां आपके अनुसार ना हों और आप किसी मुश्किल पिच पर खेल



रहे हों, तो फिर आप ऐसी स्थिति में आ जाते हैं जहां आप सोचते हैं कि मैं शांत तो लगा सकता हूं, लेकिन मुझे एक विशेष भूमिका निभानी होगी। टीम इंडिया के मौजूदा वनडे कप्तान शुभमन गिल को लेकर भी विराट कोहली ने अपने बयान में उनका जिक्र किया जिसमें उन्होंने कहा कि शुभमन अभी कप्तानी के गुण सीख रहे हैं। इस भूमिका में वह अभी नए हैं, लेकिन उनके पास भारतीय टीम का नेतृत्व करने के लिए सही दृष्टिकोण और इच्छाशक्ति है। मैदान पर टीम की रणनीति को लेकर गिल की राय काफी साफ होती है। निश्चित तौर पर अधिक अनुभव लेने और परिस्थितियों की समझ के साथ वह सुधार करते रहेंगे जैसा कि प्रत्येक कप्तान करता है। लेकिन उनमें भारतीय क्रिकेट टीम का सही तरीके से नेतृत्व करने की इच्छाशक्ति है, जो महत्वपूर्ण होता है। इसलिए मुझे लगता है कि वह लंबे समय तक कप्तानी करेंगे।

## व्यापार

# 1 हफ्ते में 10,000 रुपये सस्ती हुई चांदी, सोने के भाव में भी 4000 रुपये की बड़ी गिरावट

## अलीगढ़ में लगेगा 700 करोड़ का बैटरी प्लांट, इलेक्ट्रिक गाड़ियों की मैन्युफैक्चरिंग को मिलेगी रफ्तार

अलीगढ़ (एजेंसी)। देश में इलेक्ट्रिक व्हीकल और बैटरी मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। अलीगढ़ में ₹700 करोड़ की लागत से बैटरी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित किया जाएगा। मैक्सवोल्ट एनर्जी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के इस प्रोजेक्ट से राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन और एनर्जी स्टोरेज से जुड़े उद्योगों को मजबूती मिलने की उम्मीद है। खास बात यह है कि इस परियोजना से सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को रोजगार के अवसर मिलने की संभावना है। सरकारी बयान के मुताबिक, अलीगढ़ में मैक्सवोल्ट एनर्जी की नई यूनिट करीब 6 एकड़ जमीन में तैयार की जाएगी। परियोजना का भूमि पूजन भी किया जा चुका है। प्लांट को दो चरणों में विकसित करने की योजना है और पूरी क्षमता पर यहां हर साल 10 GWh बैटरी का उत्पादन किया जा सकेगा। कंपनी की पहले से चल रही दुहाई यूनिट को मिलाकर उसकी कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता करीब 12.5 GWh तक पहुंचने की उम्मीद है। अलीगढ़ प्लांट में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के साथ-साथ एनर्जी स्टोरेज और दूसरे इस्तेमाल के लिए बैटरियां बनाई जाएंगी। इनमें दो पहिया, तीन पहिया और चार पहिया इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी शामिल होगी। इसके अलावा अलग-अलग ऑटो कंपनियों यानी ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चर्स (OEMs) के लिए भी विशेष उत्पादन लाइनें तैयार की जाएंगी।

## फ्लिपकार्ट के बाद Myntra ने भी निकाली 26,000 से ज्यादा नौकरियां

मुंबई (एजेंसी)। त्योहारों का सीजन आते ही ऑनलाइन शॉपिंग की रफ्तार बढ़ जाती है। दिवाली और अन्य त्योहारों से पहले ई-कॉमर्स कंपनियां बढ़ती डिमांड को पूरा करने के लिए अपनी तैयारियां तेज कर रही हैं। इसका असर अब रोजगार के मौके पर भी दिखाई दे रहा है। फ्लिपकार्ट के बाद फैशन और लाइफस्टाइल ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मित्रा (Myntra) ने 26,000 से ज्यादा मौसमी रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। कंपनी के मुताबिक, यह संख्या पिछले साल की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा है। मित्रा ने अपने 'बिग फैशन फेस्टिवल' से पहले 26,000 से ज्यादा सीजनल रोजगार के अवसर तैयार किए हैं। इन नौकरियों में सप्ताई चैन और डिलीवरी से लेकर कस्टमर सर्विस तक कई तरह के काम शामिल हैं। कंपनी ने बताया कि इस साल की सीजनल हायरिंग पिछले साल के मुकाबले दो गुना से ज्यादा है।

रहा। वियना 5.9 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ नौवें और सैन फ्रांसिस्को 5 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ 10वें स्थान पर रहा। मुंबई में प्रॉपर्टी की तगड़ी डिमांड नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर शिशिर बैजल ने कहा, "ग्लोबल लेवल पर हाउसिंग प्रॉपर्टी की कीमतों में अपेक्षाकृत धीमी बढ़ोतरी के बीच मुंबई का टॉप 10 प्रमुख हाउसिंग मार्केट में शामिल होना महत्वपूर्ण है।" उन्होंने कहा कि बिना नए 6.2 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी प्रमुख हाउसिंग मार्केट में मजबूत मांग को दर्शाती है। इस मार्केट में लोकेशन, क्वालिटी और अलग तरह की हाउसिंग प्रॉपर्टी के कीमतों को समर्थन दे रही है। बैजल ने कहा, "इंवेस्टर्स और बायर्स के लिए ये दर्शाता है कि मुंबई का प्रमुख हाउसिंग प्रॉपर्टी मार्केट लॉन्ग टर्म वेल्थ क्रिएशन और सीमित सप्लाई से मजबूती से जुड़ा हुआ है।"



बढ़ोतरी हुई। टोक्यों में 50 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ी प्रॉपर्टी की कीमतें नाइट फ्रैंक इंडिया द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, जापान की राजधानी टोक्यो इस लिस्ट में पहले स्थान पर रहा। टोक्यो में प्रॉपर्टी की कीमतों में 50.7 प्रतिशत की बंपर सालाना बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस लिस्ट में जापान के बाद दूसरे स्थान पर फिलीपींस की राजधानी मनीला रही, जहां प्रॉपर्टी की कीमतों में 14.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। 10.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ दुबई इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर रहा। सिंगापुर चौथे स्थान पर सिंगापुर इस लिस्ट में 9.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ चौथे स्थान पर रहा। 8.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ नैरोबी इस लिस्ट में 5वें स्थान पर रहा। क्राइस्टचर्च 6.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ छठे और सियोल 6.4 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ सातवें स्थान पर



# दुनिया में बढ़ रहा कैंसर का बोझ भारत में भी रोकथाम बड़ी चुनौती

ACTREC विशेषज्ञ बोले—शुरुआती पहचान से बेहतर हो सकते हैं उपचार के नतीजे, तंबाकू नियंत्रण पर जोर

मुंबई ■ दैनिकिनी

कैंसर के बढ़ते मामलों के बीच बीमारी की देर से पहचान सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती बन रही है। कैंसर से होने वाली मौतों को कम करने के लिए रोकथाम, समय पर जांच, शुरुआती निदान और जन-जागरूकता को मजबूत करना जरूरी है। यह बात टाटा मेमोरियल सेंटर के एडवांसड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर (ACTREC) के विशेषज्ञों ने छत्तीसगढ़ से आए पत्रकारों के साथ संवाद के दौरान कही।

ACTREC के निदेशक डॉ. पंकज चतुर्वेदी ने कहा कि कैंसर नियंत्रण केवल अस्पतालों और उपचार तक सीमित नहीं रह सकता। इसकी रोकथाम की शुरुआत समुदाय स्तर से करनी होगी। उन्होंने तंबाकू से होने वाले नुकसान, स्वस्थ जीवनशैली, टीकाकरण, उपयुक्त संहिताएं और समय पर चिकित्सकीय परामर्श के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कैंसर का बोझ लगातार बढ़ रहा है। इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (IARC) के अनुसार, वर्ष 2022 में दुनिया में करीब 2 करोड़ नए कैंसर मामले और 97 लाख कैंसर से मौतें दर्ज हुईं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, मौजूदा रश्मान जारी रहने पर वर्ष 2050 तक दुनिया में हर साल कैंसर के नए मामलों की संख्या 3.5 करोड़ से अधिक हो सकती है।

भारत में भी कैंसर एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती है। IARC के अनुमान के अनुसार, वर्ष 2022 में भारत में करीब 14.1 लाख नए कैंसर मामले और 9.17 लाख मौतें हुईं। देश में महिलाओं और पुरुषों में कैंसर के अलग-



अलग प्रकार प्रमुख हैं, जिनमें स्तन कैंसर, होंट एवं मुख गुहा का कैंसर तथा सर्वाइकल कैंसर प्रमुख रूप से सामने आते हैं।

ACTREC के उप निदेशक डॉ. नवीन खत्री ने कहा कि कैंसर की देर से पहचान इसके नियंत्रण की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। कई प्रकार के कैंसर का शुरुआती चरण में पता चलने पर उपचार अधिक प्रभावी होता है। इसलिए लोगों में जागरूकता और उपयुक्त मामलों में नियमित स्क्रीनिंग महत्वपूर्ण है।

विशेषज्ञों ने कहा कि कैंसर को केवल उपचार की समस्या के रूप में नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के मुद्दे के रूप में देखने की आवश्यकता है। कई प्रकार के कैंसर के जोखिम को ज्ञात कारणों को नियंत्रित करके कम किया जा सकता है, जबकि कुछ कैंसर की समय पर स्क्रीनिंग और शुरुआती पहचान से उपचार की संभावना बेहतर हो जाती है।

इसके करीब 6.6 लाख नए मामले और 3.5 लाख मौतें हुईं। WHO ने टीकाकरण, स्क्रीनिंग और उपचार के माध्यम से सर्वाइकल कैंसर को सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में समाप्त करने का वैश्विक लक्ष्य रखा है।

विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया कि हर प्रकार के कैंसर के लिए व्यापक स्तर पर स्क्रीनिंग प्रभावी नहीं होती। जिन कैंसर के लिए प्रभावी स्क्रीनिंग पद्धतियां उपलब्ध हैं, उनमें उनका उचित उपयोग महत्वपूर्ण है। वहीं, अन्य कैंसर के मामले में लगातार बने रहने वाले या असामान्य लक्षणों को नजरअंदाज न कर समय पर चिकित्सकीय जांच कराना जरूरी है।

विशेषज्ञों ने बदलती जीवनशैली को भी कैंसर के बदलते स्वरूप से जोड़ा। शहरीकरण, शारीरिक गतिविधि में कमी, खान-पान में बदलाव, तंबाकू सेवन और अन्य जोखिम कारक कैंसर के स्वरूप को प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे में भारत में कैंसर का बढ़ता बोझ देखते हुए समुदाय स्तर पर रोकथाम और जागरूकता आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना आवश्यक है।

ACTREC विशेषज्ञों ने कहा कि कैंसर नियंत्रण के लिए रोकथाम, आवश्यकतानुसार टीकाकरण, उपयुक्त स्क्रीनिंग, शुरुआती निदान, प्रमाण-आधारित उपचार और जन-जागरूकता को एक साथ आगे बढ़ाना होगा।

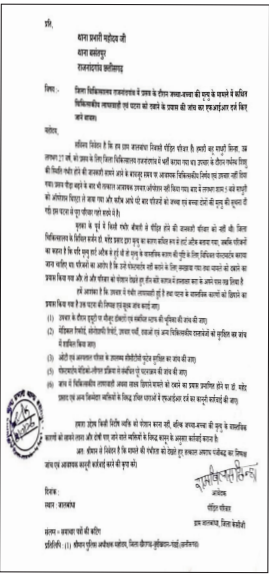
छत्तीसगढ़ के पत्रकारों ने प्रेस टूर के दौरान ACTREC का दौरा किया। इस दौरान उन्हें कैंसर महामारी विज्ञान, रोकथाम, सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों और उपयुक्त स्क्रीनिंग और कैंसर-पूर्व अवस्था में समय पर उपचार से इस बीमारी के अधिकांश मामलों को रोका जा सकता है। WHO के अनुसार, सर्वाइकल कैंसर दुनिया में महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसर में शामिल है। वर्ष 2022 में

# जच्चा-बच्चा की मौत के मामले में पीड़ित परिवार ने उठाए गंभीर सवाल

राजनांदगांव (दैनिकिनी ब्यूरो)। जिला चिकित्सालय राजनांदगांव में प्रसव के दौरान जालबांधा निवासी लगभग 27 वर्षीय माधुरी सिन्हा और उसके नवजात शिशु की मौत का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। घटना से आहत पीड़ित परिवार ने थाना बसंतपुर में आवेदन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष एवं सूक्ष्म जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वाले जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि माधुरी सिन्हा को प्रसव के लिए जिला चिकित्सालय राजनांदगांव में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान गर्भस्थ शिशु की स्थिति गंभीर होने की जानकारी सामने आने के बावजूद परिवार के अनुसार समय पर आवश्यक चिकित्सकीय निर्णय एवं उपचार उपलब्ध नहीं कराया गया। परिवार का कहना है कि प्रसव पीड़ा बढ़ने के बाद भी तत्काल आवश्यक उपचार अथवा ऑपरेशन नहीं किया गया। बाद में माधुरी को ऑपरेशन थिएटर ले जाया गया, लेकिन कुछ समय बाद परिजनों को जच्चा और बच्चा दोनों की मौत की सूचना दी गई। इस घटना ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। परिवार का कहना है कि मृतका को पूर्व से किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित होने की जानकारी उन्हें नहीं थी। वहीं, जिला चिकित्सालय के सचिवल सर्जन डॉ. महेंद्र प्रसाद द्वारा मृत्यु का कारण कथित रूप से हार्ट अटैक बताया गया। इस पर परिवार ने सवाल उठाते हुए कहा है कि यदि मृत्यु हार्ट अटैक के

निष्पक्ष जांच और एफआईआर की मांग



कारण हुई थी, तो मृत्यु के वास्तविक कारण की पुष्टि के लिए विधिवत पोस्टमार्टम कराया जाना चाहिए था। पीड़ित परिवार ने यह भी आरोप लगाया है कि पोस्टमार्टम नहीं कराने के लिए उन पर दबाव बनाया गया तथा कुछ कागजात पर हस्ताक्षर कराए गए। परिवार का कहना है कि वे घटना की वास्तविक परिस्थितियों और मृत्यु के कारणों को जानना चाहते हैं, ताकि किसी निर्दोष व्यक्ति को परेशान करने

के बजाय वास्तविक रूप से जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय हो सके। आवेदन में परिवार ने उपचार के दौरान ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों एवं संबंधित स्टाफ की भूमिका की जांच, मेडिकल रिकॉर्ड, सोनोग्राफी रिपोर्ट, उपचार पंजी, दवाइयों एवं अन्य चिकित्सकीय दस्तावेजों को सुरक्षित कर जांच में शामिल करने तथा जिलाचिकित्सालय परिसर में उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने की मांग की है। परिवार ने पोस्टमार्टम एवं मेडिकल-लीगल प्रक्रिया से जुड़े पहलुओं की भी जांच कराने का आग्रह किया है। आवेदन में कहा गया है कि यदि जांच में चिकित्सकीय लापरवाही, साक्ष्य छिपाने अथवा मामले को दबाने के प्रयास की पुष्टि होती है, तो संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए। पीड़ित परिवार की मांग है कि जांच कि किसी दबाव से मुक्त होकर निष्पक्ष तरीके से हो तथा उपलब्ध दस्तावेजों, चिकित्सकीय रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर घटना की पूरी सच्चाई सामने लाई जाए। परिवार का कहना है कि उनकी लड़ाई किसी व्यक्ति विशेष को परेशान करने के लिए नहीं, बल्कि माधुरी और उसके नवजात बच्चे की मौत के वास्तविक कारण सामने लाने तथा भविष्य में किसी अन्य परिवार के साथ ऐसी घटना न हो, इसके लिए है। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर निष्पक्ष जांच एवं आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

# नेहरू चौक पर ट्रेलर की टक्कर से सरकारी संपत्ति क्षतिग्रस्त, चालक पर एफआईआर

ट्रैफिक सिग्नल और ट्यूबलर पोल को पहुंचा था नुकसान, नगर पालिका ने क्षतिपूर्ति वसूली की तैयारी शुरू की

महासमुंद (दैनिकिनी ब्यूरो)। नेहरू चौक पर ट्रेलर की टक्कर से नगर पालिका की शासकीय संपत्ति को हुए नुकसान के मामले में पुलिस ने वाहन चालक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू के निर्देश पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी सौरभ शर्मा ने थाना पहुंचकर मामले में कार्रवाई के लिए पुलिस अधिकारियों से चर्चा की। जानकारी के अनुसार 22 सितंबर 2026 की सुबह रायपुर से ओडिशा की ओर जा रहा लोहे के पाइप से लदा ट्रेलर क्रमांक आरजे 01 जीडी 9722 नेहरू चौक पहुंचने पर अनियंत्रित होकर ट्रैफिक सिग्नल और नगर पालिका की विद्युत व्यवस्था से जुड़े ट्यूबलर पोल से जा टकराया। टक्कर से



ट्रैफिक सिग्नल, ट्यूबलर पोल और अन्य विद्युत उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं थी। घटना की जानकारी मिलते ही नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने सीएमओ को तत्काल थाना प्रभारी से संपर्क कर प्रकरण दर्ज कराने तथा

शासकीय संपत्ति को हुई आर्थिक क्षति का आकलन कराने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में सीएमओ सौरभ शर्मा ने शुक्रवार को थाना पहुंचकर पुलिस अधिकारियों से चर्चा की और वाहन चालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई का आग्रह किया। इसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले

की विवेचना शुरू कर दी है। क्षति का आकलन कार्रवाई जा रही वसूली की कार्रवाई नगर पालिका प्रशासन द्वारा क्षतिग्रस्त ट्यूबलर पोल, एलईडी लाइट, ट्रैफिक सिग्नल समेत अन्य विद्युत उपकरणों की क्षति का आकलन कराया जा रहा है। आकलन के बाद शासकीय संपत्ति को हुई आर्थिक क्षति की राशि निर्धारित कर नियमानुसार संबंधित से क्षतिपूर्ति वसूलने की कार्रवाई की जाएगी।

नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने कहा कि शासकीय संपत्ति जनता के धन से निर्मित होती है। किसी की लापरवाही या वाहन संचालन में असावधानी के कारण सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचता है तो उसकी भरपाई की जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति की तय की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि नगर पालिका सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा और रखरखाव को लेकर गंभीर है तथा ऐसे मामलों में नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

# 'सेवा मेरा योगदान' में जनभागीदारी से संवरे जल स्रोत, श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश'

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' पहल में जनभागीदारी से जल स्रोतों को स्वच्छ और सुरक्षित रखने का संदेश दिया जा रहा है। इसी कड़ी में जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण और राहौद में तालाबों की साफ-सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया गया। जनप्रतिनिधियों, नागरिकों और अधिकारी-कर्मचारियों ने सामूहिक श्रमदान कर तालाबों तथा आसपास के क्षेत्रों की सफाई की और जल एवं पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी निभाई।

नगर पंचायत शिवरीनारायण के वार्ड क्रमांक 15 स्थित बटुआ तालाब और नगर पंचायत राहौद के वार्ड क्रमांक 14 स्थित नागमचा तालाब में आयोजित अभियान के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने श्रमदान किया। इस दौरान तालाबों और आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई करते हुए नागरिकों को जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने और स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान में जल संरक्षण के साथ सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया। नागरिकों से प्लास्टिक का उपयोग कम करने, पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने तथा जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने की अपील की गई। लोगों को बताया गया कि जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने में सामुदायिक सहभागिता महत्वपूर्ण है।

# नकली होलोग्राम से शराब का खेल पुलिस ने खोला अवैध नेटवर्क का राज

महासमुंद। जिले में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में सरायपाली पुलिस ने एक बड़े शराब नेटवर्क का खुलासा किया है। पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब के परिवहन और बिक्री के मामले में अब तक 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे और निशानदेही से 3,229 लीटर 860 मिलिलीटर अवैध अंग्रेजी शराब, डस्टर व क्रेटा कार, कंटेनर ट्रक और मोबाइल समेत करीब 50 लाख 30 हजार 120 रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। मामले की जांच के दौरान नकली होलोग्राम और लेबल के इस्तेमाल के साक्ष्य मिलने की पुष्टि आबकारी विभाग की जांच में हुई है। इसके बाद पुलिस ने प्रकरण में आबकारी एक्ट के साथ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराएं भी जोड़ी हैं। सरायपाली थाने में धारा 34(2), 59(क) आबकारी एक्ट तथा धारा 111(2), 338, 336(3) और 340(4) बीएनएस के तहत जांच जारी है। पुलिस कप्तान प्रभात कुमार के अनुसार 11 अगस्त 2026 को विशेष अभियान के दौरान राजेश पटेल, अजित पटेल और अमित पटेल को डस्टर कार क्रमांक सीजी 04 पीएस 3481 से शराब का परिवहन करते पकड़ा गया था। कार से 25 पेटियों में 1,192 पौवा गोवा

# चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के असर, बस्तर में डैम से पानी छोड़े जाने के कारण बढ़ी बाढ़ की संभावना, बचाव एवं राहत अभियान जारी

रायपुर ■ दैनिकिनी

चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के व्यापक प्रभाव से हुई भारी बारिश के बाद डैम से लगातार पानी छोड़े जाने के चलते बस्तर जिले में बाढ़ की स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। हालांकि स्थानीय स्तर पर ऊपर से बारिश का दौर फिलहाल थमा हुआ है, लेकिन मौसमी समीकरण और ऊपरी क्षेत्रों में बने भारी दबाव के बाद बांधों से छोड़े जा रहे अत्यधिक जलप्रवाह के कारण नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे जलभराव का दायरा नए रिहायशी और ग्रामीण इलाकों तक फैल गया है।

इस विषम परिस्थिति से निपटने के लिए प्रशासन द्वारा राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। चलाए जा रहे निरंतर अभियानों के तहत शनिवार को दिनभर में 130 प्रभावित लोगों को सुरक्षित निकालकर शिविरों तक पहुंचाया गया, जबकि इससे ठीक एक दिन पूर्व भी 88 लोगों का सफल रेस्क्यू किया गया था। संवेदनशील और जलमग्न दो से तीन इलाकों में अभी भी बचाव टीमें मुस्तैदी से जुटी हुई हैं और रेस्क्यू ऑपरेशन निरंतर गति से जारी है। बाढ़ से प्रभावित नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और उन्हें सभी आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही भोजन मुहैया कराने के लिए प्रशासन ने शहरी और ग्रामीण अंचलों में कुल 43 राहत शिविर



स्थापित किए हैं, जहाँ वर्तमान में साढ़े चार हजार से अधिक प्रभावितों को रखा गया है। तूफान के प्रभाव और बांध से आ रहे जलप्रवाह की स्थिति को देखते हुए राहत दल पूरी सतर्कता के साथ हालात पर नजर रखे हुए हैं। साथ ही प्रभावितों के राहत कार्य में सक्रियता के साथ जुटे हुए हैं।



स्थापित किए हैं, जहाँ वर्तमान में साढ़े चार हजार से अधिक प्रभावितों को रखा गया है। तूफान के प्रभाव और बांध से आ रहे जलप्रवाह की स्थिति को देखते हुए राहत दल पूरी सतर्कता के साथ हालात पर नजर रखे हुए हैं। साथ ही प्रभावितों के राहत कार्य में सक्रियता के साथ जुटे हुए हैं।



# गंगरेल बांध के सभी 14 गेट खुले, महानदी के तटीय क्षेत्रों में प्रशासन अलर्ट मोड पर

» मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर कलेक्टर-एसपी ने संभाला मोर्चा, संवेदनशील क्षेत्रों का किया निरीक्षण

» शिवरीनारायण में मोटर बोट और बचाव उपकरणों के साथ DDRF की टीम तैनात, दूसरी टीम जिला मुख्यालय में रिजर्व

रायपुर ■ दैनिकिनी

गंगरेल बांध के सभी 14 गेट खोले जाने

और जांजगीर-चांपा जिले में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जांजगीर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने महानदी के तटीय और संवेदनशील क्षेत्रों का मैदानी निरीक्षण कर जलस्तर, नदी के बहाव और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर और एसपी संबंधित अधिकारियों से लगातार फीडबैक लेकर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और आवश्यकता के अनुरूप दिशा-निर्देश दे रहे हैं।

कलेक्टर-एसपी ने राजस्व, पुलिस, जल संसाधन, नगर सेना सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। नदी के जलस्तर और तटीय क्षेत्रों की स्थिति पर सतत निगरानी रखने के साथ ही किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के लिए आवश्यक



संसाधन और उपकरण तैयार रखने कहा गया है। जिले में बाढ़ एवं आपदा की संभावित स्थिति से निपटने के लिए होमगार्ड जवानों की जिला आपदा प्रतिक्रिया बल (DDRF) की दो टीमों को तैयार रखा गया है। इनमें से एक टीम को मोटर बोट एवं अन्य

तत्काल अतिरिक्त सहायता प्राप्त की जा सके। कलेक्टर-एसपी ने शिवरीनारायण क्षेत्र में महानदी के शिवरीनारायण बैराज, घाट, पुल, सांस्कृतिक भवन और बसंतपुर बैराज सहित विभिन्न संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण किया। सुरक्षा की दृष्टि से घाटों और पुलों पर बैरिकेडिंग की गई है तथा आवश्यक संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। अधिकारियों को नदी के जलस्तर और बहाव पर लगातार नजर रखने तथा परिस्थिति के अनुरूप सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं।

निरीक्षण के दौरान नदी पर स्थित पुल-पुलियों और आवागमन वाले क्षेत्रों की स्थिति का भी जायजा लिया गया। कलेक्टर-एसपी ने निर्देश दिए कि यदि किसी पुल या पुलिया पर पानी का बहाव आवागमन के लिए जोखिमपूर्ण हो तो तत्काल यातायात नियंत्रित किया जाए और आवश्यकता पड़ने पर

आवागमन पूरी तरह रोका जाए। ऐसे सभी स्थानों पर सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। कलेक्टर ने महानदी के तटीय क्षेत्रों और पूर्व में जलभराव से प्रभावित आबादी वाले इलाकों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। ग्रामीणों को संभावित जलभराव और आवश्यक सावधानियों की जानकारी मुनादी के माध्यम से देने कहा गया है। आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए पूर्व से चिह्नकित स्थानों पर जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। कलेक्टर-एसपी ने नागरिकों से अपील की है कि वे नदी, पुल-पुलियों और तेज बहाव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से न जाएं। तेज बहाव वाले पानी के पास सेल्फी या वीडियो बनाने का जोखिम न उठाएं और प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।



## वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी, राजपत्र लेकर गांव पहुंचे उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, चंदनपुर को मिली नई पहचान

कवर्धा ■ दैनिकिनी

तेज बारिश के बीच शुक्रवार देर रात उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा गांव की नई पहचान का राजपत्र लेकर चंदनपुर पहुंचे। लंबे समय से नाम परिवर्तन की मांग कर रहे ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उन्होंने राजपत्र की प्रति सौंपते हुए उन्हें बधाई दी। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीण स्वागत के लिए जुटे रहे। मांग पूरी होने की खुशी में ग्रामीणों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और उप मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। कबीरधाम जिले के ग्राम चंडालपुर का नाम अब आधिकारिक रूप से बदलकर चंदनपुर कर दिया गया है। नाम परिवर्तन की खुशी के बीच उप मुख्यमंत्री ने गांव के विकास कार्यों के लिए सीसी रोड और सामुदायिक भवन के लिए 11.70 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की सुविधा के लिए विशेष शिविर लगाया जाएगा। इसमें आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेजों में गांव का नाम बदलने की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी, ताकि ग्रामीणों को इसके लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। छत्तीसगढ़ शासन ने ग्राम चंदनपुर के नाम परिवर्तन का राजपत्र में विधिवत प्रकाशन कर दिया है। इसके साथ ही गांव का नया नाम अब सरकारी अभिलेखों

## शहर की तासीर के अनुरूप हो विकास की योजना : सोनमणि बोरा

रायपुर ■ दैनिकिनी

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने नई दिल्ली में हुडको (HUDCO) द्वारा अर्बन चैलेंज फंड (UCF) पर आयोजित क्षमता विकास कार्यशाला को संबोधित किया। उन्होंने विभिन्न राज्यों एवं नगरीय निकायों से कार्यशाला में हिस्सा ले रहे प्रतिभागियों से कहा कि शहरों के दीर्घकालिक विकास के लिए बेहतर नियोजन, क्षमता विकास एवं वित्तीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग के साथ विभिन्न योजनाओं के बेहतर समन्वय की आवश्यकता है। उन्होंने शहरों की भावी जरूरतों और चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए बेहतर नियोजन, संस्थागत क्षमता विकास एवं उपलब्ध वित्तीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर विशेष बल दिया। प्रमुख सचिव श्री बोरा



ने केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) के सचिव श्री सतेंद्र सिंह से नई दिल्ली में भेंट कर राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, अमृत मिशन, पीएम स्वनिधि, पीएम ई-बस और अर्बन चैलेंज फंड की प्रगति, उनके प्रभावी क्रियान्वयन तथा आगामी रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने इन योजनाओं के लक्ष्यों की प्राप्ति

निकायों की स्थानीय आवश्यकताओं, संभावनाओं एवं विशिष्ट पहचान को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक विकास योजना तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। औद्योगिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, पर्यटन, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व वाले शहरों के लिए उनकी प्रकृति एवं विशिष्टताओं के अनुरूप विकास की रणनीति तैयार करने पर भी चर्चा की गई, जिससे नगरीय सेवाओं एवं आधारभूत संरचनाओं का विस्तार स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में शहरों की आवश्यकतानुसार फूड पार्क, रेंटल हाउसिंग, पर्यटन संवर्धन, स्लम क्षेत्र के पुनर्विकास, ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (TOD) सहित अन्य संभावित विकास के पहलुओं को शहरों की विकास योजनाओं में शामिल करने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

## राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ झीरम कांड के पीड़ित परिवारों से की मुलाकात

रायपुर ■ दैनिकिनी

लोकसभा में नेता-विपक्ष राहुल गांधी ने आज छत्तीसगढ़ कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ झीरम नक्सल कांड के पीड़ित परिवारों ने मुलाकात की। इस दौरान राहुल गांधी ने कांग्रेस नेताओं के साथ पीड़ित परिवारों के सदस्यों से कहा कि पूरा न्याय मिलने तक हमें एक इंच पीछे नहीं हटना है। हम लड़ेंगे! मुलाकात के दौरान छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी सुखदेव भगत, राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल, नेता-प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज विशेष रूप से मौजूद रहे। वहीं झीरम पीड़ित परिवारों में उमेश पटेल, अनिता योगेंद्र शर्मा, जितेंद्र मुदलियार, शिव सिंह ठाकुर, छविंद्र कर्मा, मलकौत सिंह गैन्दू आदि शामिल रहे। राहुल



गांधी के साथ मुलाकात को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि आज 10 जनपथ, नई दिल्ली में हमारे नेता राहुल गांधी के साथ हम सबने झीरम घटना में हुए अन्याय, भाजपा और जाँच एजेंसियों के षड्यंत्र और इस लड़ाई को आगे ले जाने पर

धमतरी में फ्लैटेड फैक्ट्री और राजनादागांव में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर 2.0 बनेगा

रायपुर (वीएनएस)। बैठक में राज्य के औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और निवेश को बढ़ावा देने धमतरी जिले के ग्राम कचना में प्लग एंड प्ले फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स के निर्माण हेतु प्रस्तावित स्थल एवं लागत और शासकीय भूमि पर फैक्ट्री बिर्दिंग के निर्माण के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा हुई। इसके अंतर्गत भू-चल और मंजिला बहमंजिला इमारतों में कुल 43,200 वर्गमीटर में निर्माण किया जाएगा। इसमें कुल 96 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के लिए स्थान उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है। यह स्थल राजधानी रायपुर से करीब 32 किमी और धमतरी जिला मुख्यालय से 41 किमी।

## रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य की प्रथम महिला खुली जेल का शुभारंभ

रायपुर ■ दैनिकिनी

डीजी, जेल श्री हिमांशु गुप्ता के कर कमलों से केटीय जेल, रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य की पहली महिला खुली जेल (वीमेन ओपन करेक्शनल इंस्टीट्यूशन - ओ.सी.आई.) का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर श्री योगेश सिंह क्षत्री (जेल अधीक्षक), श्रीमती खुशबू मिश्रा (महिला ओपन जेल प्रभारी) एवं जेल विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ राज्य में पहली बार इस प्रकार की महिला ओपन जेल प्रारंभ की गई है। रायपुर जेल में उपलब्ध अधोसंरचना का उपयोग करते हुए ओपन जेल खोला गया है। इस ओपन जेल में 25 महिला बंदिनियाँ रहेंगी। ये महिला बंदिनी सुबह विभिन्न कार्य करने के लिए जेल के बाहर निकलेंगी तथा शाम को कार्य पूर्ण कर लॉकअप होने के पूर्व जेल में वापस आ



जाएंगी। महिला बंदिनियों को जेल की ऊंची दीवारों के बाहर मंदिर के पास स्थित परिसर में सिलाई सेंटर, ब्यूटी पार्लर एवं जेल

## महानदी में बहती आई शराब, बोतलें लूटने पुल पर जुटे लोग

गोबरा नवापारा ■ दैनिकिनी

महानदी में आई बाढ़ के बीच एक अलग ही नजारा देखने को मिला। धमतरी जिले की ओर से तेज बहाव के साथ प्लास्टिक की बोतलों में भरकर शराब पानी में बहते हुए गोबरा नवापारा की ओर पहुंचने की खबर के बाद लोगों की भीड़ सोमवारी बाजार पुल पर लग गई है। रायपुर और धमतरी जिले को जोड़ने वाले इस पुल पर लोग नदी के बहाव पर नज़र टिकाए शराब की बोतलों को पकड़ने की कोशिश करते नजर आए। बताया जा रहा है कि महानदी के तेज बहाव में प्लास्टिक की बोतलों में भरी शराब बहकर आ रही थी। जैसे ही लोगों को इसकी जानकारी मिली, मौके पर भीड़ बढ़ती गई। कुछ लोग बांस में जाली लगाकर तो कुछ अन्य स्थानीय जुगाड़

के जरिए नदी के किनारे और पुल के आसपास बहकर आ रही बोतलों को निकालने की कोशिश करते दिखाई दिए। इस दौरान शराब की बोतलें पकड़ने की होड़ में लोग अपनी जान तक जोखिम में डालते नजर आए। महानदी का बहाव तेज होने के बावजूद मदिरा प्रेमी पुल के ऊपर चढ़कर बोतलें निकालने की कोशिश करते रहे। बाढ़ के बीच इस तरह की लापरवाही कभी भी

बड़े हादसे का कारण बन सकती है। बाढ़ के कारण महानदी इस समय उफान पर है और पानी का बहाव काफी तेज है। इसके बावजूद शराब की बोतलें पकड़ने के लिए लोगों का नदी के बेहद करीब तक पहुंचना हादसे को न्योता दे रहा है। सोमवारी बाजार पुल पर काफी देर तक लोगों की भीड़ जमा रही और नदी में बहकर आ रही बोतलों को लेकर लोगों के बीच चर्चा होती रही। इधर महानदी में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन लगातार लोगों से नदी, पुल और तेज बहाव वाले स्थानों से दूरी बनाए रखने की अपील कर रहा है। बाढ़ की स्थिति में थोड़ी सी लापरवाही भी जानलेवा साबित हो सकती है।

## रायपुर में बाढ़ का कहर :रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, 239 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

रायपुर ■ दैनिकिनी

राजधानी रायपुर के बाढ़ प्रभावित इलाकों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों लगातार राहत और बचाव अभियान चला रही है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश और एसडीएम नंद कुमार चौबे के मार्गदर्शन में भाठागांव और चन्दनीडीह से अब तक 239 नागरिकों का रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए भाठागांव, चन्दनीडीह, दरेंगा और काठाडीह में प्रशासन की टीमों लगातार निगरानी कर रही हैं। प्रभावित क्षेत्रों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के साथ ही राहत सामग्री और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

भाठागांव में 54 लोगों का रेस्क्यू-ग्राम भाठागांव में नायब तहसीलदार प्रवीण परमार और नगर निगम जोन



क्रमांक-6 के जोन कमिश्नर हितेंद्र यादव की मौजूदगी में बचाव अभियान चलाया जा रहा है। यहां 54 नागरिकों को सुरक्षित निकालकर श्यामा प्रसाद मुखर्जी सामुदायिक भवन, भाठागांव में उहराया गया है। राहत शिविर में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए नाश्ता, भोजन और पेयजल की व्यवस्था की गई है। वहीं केशरी बगीचा, बीजीआर पेट्रोल पंप और हरिओम नगर क्षेत्र में रेस्क्यू अभियान जारी है।

चन्दनीडीह में 185 लोगों को सुरक्षित निकाला-ग्राम चन्दनीडीह में नायब तहसीलदार सौरभ कश्यप और नगर निगम जोन क्रमांक-8 के कार्यालयन अभियंता अतुल चोपड़ा की मौजूदगी में एनडीआरएफ की टीम बचाव कार्य में जुटी है। यहां अब तक 185 नागरिकों का सुरक्षित रेस्क्यू किया जा चुका है।

काठाडीह में भी राहत-बचाव अभियान-ग्राम काठाडीह में एसडीएम नंद कुमार चौबे, एनडीआरएफ कमांडिंग ऑफिसर मेजर पवन जोशी और तहसीलदार रायपुर राममूर्ति दीवान की टीम मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी कर रही है। प्रशासन के मुताबिक बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। अधिकारियों और बचाव दलों की टीमों स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और जरूरत के अनुसार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

निधन

उर्मिला चौहान

रायपुर। पुराना दुर्गा मंदिर चौक, राजातालाब निवासी सूफी गायक पद्मश्री मदन चौहान की भाभी तथा तरुण के महाप्रबंधक नरेन्द्र चौहान की माता जी उर्मिला चौहान पति स्वर्गीय नारायण सिंह चौहान (78) वर्ष का आज निधन हो गया। वे महेन्द्र, गुलाब चौहान की मां, कुंदन चौहान की बड़ी मां तथा ऋषभ व जयंत की दादी थीं। उनका अंतिम संस्कार 27 सितम्बर को सुबह 10 बजे शंकर नगर मुक्तिधाम में किया जाएगा।